राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात, संस्करण रविवार, 10जनवरी 2021 वर्ष-3, अंक -341 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

हमारी विदेश नीति हमेशा स्वतंत्र रही है, रूस से एस-400 मिसाइल खरीद पर अमेरिका को भारत की दो टूक

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत की हमेशा स्वतंत्र विदेश नीति रही है जो इसकी रक्षा खरीद और आपूर्ति पर भी लागू होती है। मंत्रालय की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब कुछ दिन पहले अमेरिकी कांग्रेस की एक रिपोर्ट में चेतावनी दी गई थी कि रूस से भारत के एस-400 हवाई रक्षा प्रणाली खरीदने पर उसे अमेरिका की ओर से प्रतिबंधों का सामना करना पड़ सकता है। एस-400 मिसाइल रक्षा प्रणाली की खरीद के मुद्दे पर अमेरिकी कांग्रेस की रिपोर्ट के बारे में पूछे जाने पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने एक ऑनलाइन मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि भारत और अमेरिका के बीच समग्र वैश्विक रणनीतिक भागीदारी है। उन्होंने कहा, भारत की रूस के साथ एक विशेष और महत्वपूर्ण रणनीतिक भागीदारी है। भारत ने हमेशा स्वतंत्र विदेश नीति अपनाई है जो हमारी रक्षा खरीद और आपूर्ति पर भी लागू होती है और ये हमारे राष्ट्रीय सुरक्षा हितों से निर्देशित हैं। इस बीच, कनाडा के नेता रामदीप बरार के दिल्ली की सीमाओं पर किसानों के प्रदर्शन का कथित तौर पर समर्थन करते दिखने से संबंधित सवाल पर श्रीवास्तव ने कहा, हमने इन खबरों का संज्ञान लिया है और हम इन तथ्यों को देख रहे हैं। नेपाल के राजनीतिक घटनाक्रम के मुद्दे पर श्रीवास्तव ने कहा कि यह नेपाल का आंतरिक मामला है और शुभचिंतक भारत शांति, समृद्धि तथा विकास के पथ पर आगे बढ़ने में नेपाली लोगों का समर्थन करना जारी रखेगा। सोशल मीडिया पर किए जा रहे इस दावे के बारे में कि केंद्र ने पासपोर्टों से राष्ट्रीयता का कॉलम हटा दिया है, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि इस तरह की बातें पूरी तरह गलत हैं। सुरक्षा परिषद के अस्थायी सदस्य के रूप में भारत के दो साल का कार्यकाल शुरू करने तथा तालिबान प्रतिबंध समिति का अध्यक्ष बनने के मुद्दे पर श्रीवास्तव ने कहा कि नयी दिल्ली अपने कार्यकाल के दौरान अंतरराष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा से संबंधित मुद्दों के समावेशी समाधान के लिए प्रतिबद्ध रहेगी।

अस्पताल में आग लगने से 10 नवजात की दर्दनाक मौत, पीएम मोदी ने जताया शोक

राहुल ने की उद्धव सरकार से अपील

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के भंडारा जिला अस्पताल में शुक्रवार देर रात विशेष नवजात देखरेख इकाई में आग लगने से 10 नवजात बच्चों की मौत हो गई। डॉक्टरों ने यह जानकारी दी है। एक डॉक्टर ने बताया कि नवजात बच्चों की उम्र एक महीने से तीन महीने के बीच थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, कांग्रेस नेता और सांसद राहुल गांधी ने शोक व्यक्त किया है।

पीएम मोदी ने अपने ट्वीट में कहा, 'महाराष्ट्र के भंडारा में दिल दहला देने वाली घटना हुई है, जिसमें हमने कीमती युवा जीवन खो दिया है। सभी शोक संतप्त परिवारों के साथ मेरी संवेदनाएं हैं। मुझे उम्मीद है कि घायल जल्द से जल्द ठीक हो जाएंगे।'

अमित शाह ने दुख व्यक्त करते हुए कहा, 'महाराष्ट्र के भंडारा जिला अस्पताल में लगी आग दुर्घटना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। भगवान उन्हें इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति दें।'

वहीं, राहुल गांधी ने भी इस घटना पर शोक संवेदना प्रकट की है। उन्होंने ट्वीट कर कहा, 'अस्पताल में आग लगने की दुर्भाग्यपूर्ण घटना बेहद दुखद है। उन बच्चों के परिवारों के प्रति मेरी संवेदना, जिन्होंने अपनी जान गंवाई। मैं महाराष्ट्र सरकार से अपील करता हूं कि वे घायलों और मृतकों के परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान करें।'

जिला सिविल सर्जन प्रमोद खंडाते ने बताया कि भंडारा जिला अस्पताल में शुक्रवार देर रात एक बजकर 30 मिनट के आसपास आग लग गयी। इकाई में 17 बच्चे थे, जिनमें से सात को बचा लिया गया। उन्होंने बताया कि सबसे पहले एक नर्स ने अस्पताल के शिशु देखभाल विभाग से धुआं उठते देखा, जिसके बाद डॉक्टरों और अन्य कर्मचारियों को जानकारी मिली और वे पांच मिनट के भीतर यहां पहुंच गए। उन्होंने बताया कि इकाई के 'इनबाउंड वार्ड से सात

घटना के बाद कांग्रेस नेता और वायनाड से सांसद राहुल गांधी ने ट्वीट कर अपनी संवेदनाएं जाहिर की। उन्होंने ट्वीट किया कि वह महाराष्ट्र सरकार से अपील करते हैं कि मृतक और घायल बच्चों के परिवारों को हर संभव मदद दे।

बच्चों को दमकल कर्मियों ने सुरक्षित बाहर निकाल लिया लेकिन 10 बच्चों को बचाया नहीं जा सका।

खंडाते ने बताया कि बच्चों को जिस वार्ड में रखा जाता है, वहां लगातार ऑक्सीजन की आपूर्ति की जरूरत होती है। उन्होंने बताया, 'वहां आग बुझाने वाले उपकरण थे और कर्मियों ने उनसे आग बुझाने की कोशिश की। वहां काफी धुआं हो रहा था।' उन्होंने बताया कि आग का शिकार होने वाले बच्चों के माता-पिता को इसकी जानकारी दे दी गई है और बचाए गए सात बच्चों को दूसरे वार्ड में भेज दिया गया है। आईसीयू वार्ड, डायलिसिस और लेबर वार्ड से रोगियों को सुरक्षित दूसरे वार्ड में भेज दिया गया है। अभी तक आग लगने के पीछे की वजह का पता नहीं चल पाया है, लेकिन शॉर्ट सर्किट होने का संदेह है।

समलैंगिक विवाह मामले में केंद्र और दिल्ली सरकार को हाईकोर्ट की फटकार

जवाब दाखिल करने के लिए आखिरी मौका दिया

नई दिल्ली। हिंदू विवाह कानून और विशेष विवाह कानून के तहत समलैंगिक विवाह को मान्यता देने की मांग पर जवाब दाखिल नहीं किए जाने को लेकर उच्च न्यायालय ने केंद्र और दिल्ली सरकार को आड़े हाथों लिया। अदालत ने दोनों सरकारों को जवाब दाखिल करने के लिए आखिरी मौका दिया। दोनों सरकारों को तीन हफ्ते में हलफनामा दायर कर जवाब देना होगा। दिल्ली उच्च न्यायालय ने समलैंगिक विवाह को मंजूरी देने की मांग वाली अलग-अलग याचिकाओं पर विचार करते हुए 19 नवंबर 2020 को केंद्र और दिल्ली सरकार से चार सप्ताह के भीतर जवाब मांगा था। जस्टिस राजीव सहाय एंडलॉ और संजीव नरूला की पीठ ने आशा मेनन की पीठ ने दोनों सरकार से कहा कि हम आपको जवाब देने के लिए आखिरी मौका दे रहे हैं। पीठ ने केंद्र व दिल्ली सरकार को तीन सप्ताह के भीतर हलफनामा दाखिल कर जवाब देने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई के लिए 25 फरवरी की तारीख मुकर्रर की गई है। इससे पहले, केंद्र सरकार के वकील ने जवाब दाखिल करने के लिए वक्त देने की मांग की। याचिका में कहा गया है कि समलैंगिक संबंधों को अपराध की श्रेणी से बाहर रखने के सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के बावजूद समलैंगिक जोड़ों के बीच विवाह संभव नहीं हो पा रहा है। न्यायालय में याचिका दाखिल कर दो महिलाओं ने आपस में विवाह को मंजूरी देने की मांग की है। पिछले आठ साल से साथ रह रहीं दोनों महिलाओं ने कहा है कि वे एक-दूसरे से प्यार करती हैं और साथ मिलकर जीवन में उतार-चढ़ाव का सामना कर रही हैं। याचिकाकर्ता महिलाओं ने कालकाजी के एसडीएम को कानून के तहत उनका विवाह पंजीकृत करने का आदेश देने की भी मांग की है। इसके अलावा उच्च न्यायालय में उस याचिका पर भी सुनवाई हो रही है, जिसमें एक समलैंगिक पुरुष जोड़े ने शादी के पंजीकरण का आदेश देने की मांग की है। दोनों ने अमेरिका में विवाह किया था, लेकिन समलैंगिक होने के कारण भारतीय वाणिज्य दूतावास ने विदेशी विवाह अधिनियम 1969 के तहत उनकी शादी का पंजीकरण नहीं किया।

कोरोना से घाटे में दिल्ली मेट्रो, परिचालन के लिए सरकार से मांगी आर्थिक मदद

नई दिल्ली। कोविड के चलते घाटे में चल रहे मेट्रो के आगे परिचालन का संकट खड़ा हो सकता है। दिल्ली मेट्रो ने बेरोकटोक परिचालन के लिए अब सरकार से भरपाई की मांग की है। दिल्ली सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा है कि इसपर अंतिम फैसला सरकार लेगी। बीते नौ माह में मेट्रो को 1910 करोड़ रुपये परिचालन घाटा हुआ है। अगर घाटा इसी तरह चलता रहा तो मेट्रो के सामने परिचालन को लेकर संकट खड़ा हो जाएगा। दिल्ली मेट्रो ने बीते नौ माह में कुल परिचालन लागत 2202 करोड़ रुपये (इसमें जापनी कंपनी जीका का लोन की किश्त भी शामिल) है। वहीं परिचालन से कमाई की महज 247 करोड़ रूपये हुई है। दिल्ली मेट्रो की मुख्य कमाई का जरिया भी मेट्रो परिचालन व यात्री किराये से है। उसके अलावा संपत्ति से आने वाला किराया है। मगर 23 मार्च 2020 से लॉकडाउन के बाद मेट्रो को ना तो अपनी संपत्ति का किराया मिला और ना ही परिचालन से कोई कमाई हुई। मेट्रो अभी भी पाबंदियों के

बीच चल रही है जिसके चलते पूरी क्षमता से नहीं चल रहा है। जिससे रोजाना मेट्रो को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। बीते नौ माह में परिचालन लागत व कमाई के बीच के अंतर को भरने के लिए मेटो ने 1910 करोड़ रुपये कंसलटेंसी शुल्क का प्रयोग किया है। यह पैसा डीएमआरसी दूसरे योजनाओं में सलाहकार के तौर पर कमाएं है। यह प्रोजेक्ट डिविजन की ओर से मैनेज किया जाता है। इस रकम को लेने के बाद अब मेट्रो के पास कंसलटेंसी शुल्क का महज 260 करोड़ रुपये ही बचा है।

ऐसे होगी मेट्रो परिचालन घाटे की भरपाई

दिल्ली मेट्रो में केंद्र सरकार व दिल्ली सरकार 50-50 फीसदी की पार्टनर है। मेट्रो फेज एक व दो में अगर परिचालन घाटा होता है तो उसकी भरपाई 50-50 फीसदी दिल्ली सरकार व केंद्र सरकार करेंगे। मगर मेट्रो फेज तीन में अगर कोई घाटा होता है तो उसकी पूरी भरपाई दिल्ली सरकार करेगी। क्योंकि यह लाइन मेट्रो नीति आने के बाद बना था। जिसमें अकेले जिम्मेदारी राज्य सरकार की होगी। जो सेक्शन दिल्ली से बाहर के है वहां की भरपाई वहां की राज्य सरकार व केंद्र सरकार मिलकर करेंगे।

09 माह में मेट्रो का कमाई व खर्च

247.65 करोड़ मेट्रो की कमाई।

2208.2 करोड़ परिचालन लागत।

1910 करोड़ कंसलटेंसी शुल्क का परिचालन में खर्च किया।

भारतीय सेना की दरियादिली, गलती से LoC पार कर भारत आए बच्चे को पाकिस्तान को सौंपा

नई दिल्ली। भारतीय सेना ने इंसानियत की मिसाल पेश करते हुए एक बार फिर गलती से भारतीय सीमा में आए बच्चे को पाकिस्तानी सेना को सौंप दिया है। 14 वर्षीय अली हैदर पुत्र मोहम्मद शरीफ निवासी मीरपुर, पाक अधिकृत कश्मीर का रहने वाला है। वह 31 दिसंबर की रात को नियंत्रण रेखा पार करके भारत में आ गया था। जिसे शुक्रवार को भारतीय सेना ने पाकिस्तान को सौंपा। सेना की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि अली हैदर को भारतीय सेना ने पुंछ में रंगार नाला क्षेत्र में देखा था, जहां वह एलओसी पार करके पहुंचा था। बच्चे ने भारतीय सैनिकों को बताया कि वह मीरपुर का है तथा गलती से घूमते हुए इधर आ गया है। उसने अनुरोध किया कि भारतीय सेना उसे वापस घर पहुंचाने में मदद करे।

सेना ने इस बीच उसकी अच्छी देखभाल की और शुक्रवार को उसे पाकिस्तानी सेना को सौंप दिया। बता दें कि हाल में सेना ने गलती से भारतीय सीमा में घुस आई दो सगी बहनों को भी सकुशल पाकिस्तान वापस भेजा था। एक रक्षा प्रवक्ता ने कहा, युवक का नाम अली हैदर है और वह पाकिस्तान के कब्जे वाले मीरपुर जिले का निवासी है। उन्होंने कहा, वह निर्दोष लग रहा था और उसे तत्काल कपड़े, भोजन और आश्रय मुहैया कराया गया। प्रवक्ता ने बतया कि पाकिस्तानी प्राधिकारियों से तीन जनवरी को अनुरोध किया गया था कि वे मानवीय आधार पर उसे उसके घर वापस भेज दें। उन्होंने बताया कि पाकिस्तानी सेना ने अनुरोध स्वीकार कर लिया।

बर्फीली तेज हवाओं से दिल्ली में बढ़ेगी ठंड, अगले तीन दिनों तक लोगों को परेशान करेगी ठिठुरन

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में बर्फीली और तेज रफ्तार हवाओं के चलते ठिठुरन बढ़ेगी। मौसम विभाग का अनुमान है कि रविवार के बाद से तीन दिनों तक बीस से पच्चीस किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी। इससे जहां प्रदूषण साफ होगा, वहीं तापमान में दो डिग्री तक की कमी आएगी।

लगातार बारिश और बादल के चलते दिल्ली में पिछले चार दिनों में न्यूनतम और अधिकतम तापमान में इजाफा दर्ज किया गया था। गुरुवार के दिन न्यूनतम तापमान 14.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था। लेकिन, आसमान साफ होने के चलते शुक्रवार की सुबह इसमें लगभग चार डिग्री से ज्यादा की कमी आई। दिल्ली के

सफदरजंग मौसम केंद्र में सुबह का न्यूनतम तापमान 9.6 डिग्री सेल्सियस रहा। यह अभी भी सामान्य से तीन डिग्री ज्यादा है। लेकिन, गुरुवार की तुलना में इसमें चार डिग्री से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई है। वहीं, दिन का अधिकतम तापमान 16.9 डिग्री सेल्सियस रहा जोकि सामान्य से तीन डिग्री कम है। गुरुवार के दिन अधिकतम तापमान 19.9 डिग्री सेल्सियस रहा था। इस तरह से देखें तो अधिकतम और न्यूनतम दोनों ही तापमान में गिरावट आई है। दिल्ली का जफरपुर क्षेत्र सबसे ज्यादा ठंडा रहा। यहां पर दिन का अधिकतम तापमान 14.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया है।

कुछ जगहों पर बूंदाबांदी

दिल्ली के कुछ हिस्सों में शाम के समय बूंदाबांदी हुई है। मौसम विभाग का अनुमान है कि पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से रात के समय भी कुछ जगहों पर बूंदाबांदी होने की संभावना है। हालांकि, ज्यादा बरसात होने के आसार नहीं है। लेकिन, बादलों के छाए रहने से न्यूनतम तापमान में थोड़ा इजाफा होगा। शनिवार की सुबह न्यूनतम तापमान 12 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना जताई गई है।

रविवार से चलेंगी तेज हवाए

मौसम विभाग का अनुमान है कि रविवार से हवा की रफ्तार में इजाफा होगा। रविवार के दिन भी हवा की रफ्तार 16 किलोमीटर प्रति घंटे तक रह सकती है। जबकि, सोमवार, मंगलवार और बुधवार के दिन हवा की रफ्तार 20 से 25 किलोमीटर तक रहने का अनुमान है। इसके चलते मौसम में ठिठुरन बढ़ सकती है। इस दौरान अधिकतम तापमान 16 और न्यूनतम तापमान आठ डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है।

बिहार, गुजरात, मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश सहित इन राज्यों में बर्ड फ्लू का खतरा

पंजाब सरकार हुई अलर्ट

नई दिल्ली। देश इस वक्त पहले ही कोरोना की मार झेल रहा है वहीं अब बर्ड फ्लू ने नई परेशानी ला दी है। भारत में बर्ड फ्लू का खतरा बढ़ता जा रहा है। इस खतरे को देखते हुए पंजाब ने दूसरे राज्यों से आने वाले पोल्ट्री प्रोडक्ट पर 7 दिन के लिए रोक लगा दी है। यानी अगले सात दिनों तक पंजाब में दूसरे राज्यों से आने वाली मीट, मुर्गों और अंडे नहीं लाए जाएंगे। मीडिया रिपोर्ट के मानें तो सरकार ने यह फैसला हरियाणा की तरफ से पोल्ट्री पर्दाथों और अंड़ों को पंजाब में डंप करने की सूचना के तहत लिया किया गया है। बताया जा रहा है कि हरियाणा के बरवाला क्षेत्र में रहस्यमय तरीके से मर रही मुर्गियों के चलते इलाके में एवियन फ्लू का खतरा बना हुआ है। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो यहां पर कम से कम लाख मुर्गी और चूजों की मौत हो चुकी है। यहां पर बताते चले कि मुर्गियों के रहस्यमय तरीके से मरने का सिलसिला 5 दिसंबर से शुरू हुआ था।

केरल, मध्य प्रदेश सहित राजस्थान में बर्ड फ्लू के मामले दर्ज

उधर, केरल, राजस्थान, मध्य प्रदेश और हिमाचल प्रदेश में 12 स्थानों पर एवियन इन्फुएंजा या बर्ड फ्लू के मामले दर्ज किए गए हैं। जबकि हरियाण के पंचकुला में मुर्गी पालन केंद्रो में इन पक्षियों की मौत के मामलों के चलते हरियाणा को हाई अलर्ट पर रखा गया है। हिमाचल में 293 विदेशी पक्षियों और 312 कौओं की मौत हो गई। वहीं, कांगड़ा

जिले के पौंग बांध क्षेत्र में मर रहे विदेशी परिंदों के बाद अब कौवों में भी बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई है। जम्मू कश्मीर के कई शहरों में मृत पक्षी मिले हैं। हालांकि इनमें अभी तक बर्ड फ्लू की पुष्टि नहीं हुई है।

राष्ट्रपति को पद पर रहते हुए 25वें संशोधन के जरिये स्थायी रूप से नहीं हटाया गया है।

उधर, बिहार में 70 और छत्तीसगढ़ में तीन कौए मृत पाए गए थे। इसके अलावा दो बोरियों में 50 मृत मुर्गियां भी बरामद हुई थीं। पंजाब में शुक्रवार को 25 तोते मृत पाए गए हैं। इनके सैंपल जालंधर लैब में भेज दिए गए हैं।

देश में धीरे-धीरे बर्ड फ्लू का खतरा बढ़ता जा रहा है। बिहार गुजरात मध्य प्रदेश हिमाचल प्रदेश तक यह फ्लू पहुंच चुका है। उधर पंजाब सरकार भी इस फ्लू को लेकर अलर्ट हो गई है। यहां पर दूसरे राज्यों से आने वाले पोल्ट्री प्रोडक्ट पर रोक लगाई गई।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

नए कोरोना का खतरा

कोरोना के नए स्ट्रेन से उपजा तनाव अभी कम नहीं हुआ है, लेकिन ब्रिटेन-भारत के बीच हवाई सेवा फिर शुरू कर दी गई है। ब्रिटेन में मिले कोरोना वायरस के नए स्ट्रेन के बाद 23 दिसंबर को वहां से हवाई सेवाओं को रोक दिया गया था। रोक की मीयाद 5 जनवरी को खत्म होने के बाद अब सेवाओं का सामान्य होना लाजिमी है, लेकिन क्या हम यह खतरा लेने के लिए तैयार हैं? अब तक के आंकड़ों को अगर देखें, तो देश में कोरोना के नए स्ट्रेन वाले कुल 73 मरीज मिल चुके हैं। आने वाले दिनों में ऐसे मरीजों की संख्या बढ़ने की पूरी आशंका है। हर हफ्ते ब्रिटेन और भारत के बीच कुल 30 जहाज उड़ान भरेंगे। 15 भारत से और 15 ब्रिटेन से। सरकार ने जो तय किया है, उसके अनुसार 23 जनवरी तक ऐसा चलेगा। उसके बाद स्थितियों का जायजा लिया जाएगा और सेवाओं में विस्तार को मंजूरी मिलेगी। दिल्ली एयरपोर्ट ने ब्रिटेन से आने वाले यात्रियों को भारत में उतरने और फिर यहां से अपने शहर के लिए कनेक्टिंग फ्लाइट लेने के बीच 10 घंटे का अंतराल रखने को कहा है। क्या 10 घंटे के अंदर कोरोना की पुख्ता रिपोर्ट आ सकती है? यह ठीक है कि भारत पहुंचने वाले यात्रियों से ही कोविड जांच की कीमत वसूली जाएगी, लेकिन अगर उन्हें 10 घंटे के बाद अपने शहर जाने की इजाजत होगी, तो फिर 72 घंटे के भीतर कोविड-19 टेस्ट की नेगेटिव रिपोर्ट लाने का क्या मतलब है? जब यात्रियों को दिल्ली एयरपोर्ट से घर जाने दिया जाएगा, तब क्या वे अन्य लोगों या यात्रियों के संपर्क में नहीं आएंगे? घर या अपने गंतव्य पर पहुंचने के बाद 14 दिन क्वारंटीन रहने के लिए पाबंद किया गया है, लेकिन क्या इसकी पालना पूरी तरह से हो रही है? हमने नए स्ट्रेन के मामले में भी अनेक लोगों को चेतावनी और आग्रह के बावजूद जांच से छिपते-भागते देखा है। दूसरों के जीवन को खतरे में डालते देखा है। क्या ब्रिटेन से आने वालों को दिल्ली में ही कहीं क्वारंटीन नहीं किया जा सकता? दूसरी बात, ब्रिटेन को अपने स्तर पर भी लोगों को जांच के बाद ही भारत या किसी अन्य देश के लिए रवाना करना चाहिए। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने मांग रखी थी कि हवाई सेवाओं पर रोक 31 जनवरी तक बढ़ा दें, पर लगता है, सरकार जोखिम उठाने की मुद्रा में है। यह कहने में कोई हर्ज नहीं कि हम यात्राओं के मोर्चे पर कोरोना के प्रति नरमी बरत रहे हैं। जहां एक ओर रेल और बस सेवाओं को सामान्य नहीं किया जा रहा है, तो वहीं हवाई सेवाओं का सामान्य होने की ओर बढ़ना बहसतलब है। ज्यादा खतरा बाहर से है, यह हम देख चुके हैं। हमारे यहां क्या हो रहा है और दूसरे अपेक्षाकृत सतर्क देश क्या कर रहे हैं, यह हमें देखना चाहिए। विशेष रूप से ऑस्ट्रेलिया का उदाहरण हमारे लिए ताजा है। हमारी क्रिकेट टीम को ऑस्ट्रेलिया में पूरी निगरानी में रखा जा रहा है। तमाम दिशा-निर्देशों की पालना के लिए पाबंद किया जा रहा है। मेहमान खिलाड़ियों को अपनी परंपरागत मनमर्जी चलाने का मौका नहीं मिल रहा। बीसीसीआई की गुजारिश के बावजूद ऑस्ट्रेलिया किसी नरमी के पक्ष में नहीं है। और तो और, वहां की राज्य सरकारें तो इतनी सतर्क हैं कि दिशा-निर्देश न मानने पर मेहमानों को लौट जाने के लिए भी कह सकती हैं। हमारी सरकारों को सीखना चाहिए। क्या हम भी ऐसी ही कड़ाई से कोरोना संक्रमण को कम कर सकते हैं?

आज के ट्वीट

लांच

भारत अपना App स्टोर लांच करने जा रहा है गूगल और एप्पल प्लेस्टोर की दादागिरी खत्म होगी बहुत बढ़िया शुरुआत

- पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ

विकास दर संभालने की कवायद

अरुण कुमार, अर्थशास्त्री

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के मुताबिक, कोरोना महामारी की वजह से मौजूदा वित्तीय वर्ष में देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 7.7 फीसदी तक की गिरावट हो सकती है। यह गिरावट पहले के अनुमान से कहीं ज्यादा है। पिछले वित्तीय वर्ष में विकास दर 4.2 प्रतिशत थी। वैसे तो, पहले भी जीडीपी दर ऊपर-नीचे होती रही है, लेकिन आजादी के बाद यह पहला मौका होगा, जब इसमें इतनी बड़ी गिरावट दर्ज की जाएगी। आखिर ऐसा क्यों हुआ? दरअसल, कोविड-19 के कारण इस वर्ष अप्रत्याशित हालात बन गए। लॉकडाउन लगाकर हमने अपनी आर्थिक गतिविधियां खुद बंद कर दीं। युद्ध के समय भी ऐसा नहीं होता। वैसी स्थिति में संघर्ष के बावजूद मांग की स्थिति बनी रहती है, जिसके कारण उत्पादन का ढांचा बदल जाता है और अर्थव्यवस्था चलती रहती है। जैसे, दूसरे विश्व युद्ध के समय जर्मनी में चॉकलेट बनाने वाली एक कंपनी ने हवाई जहाज के कल-पुर्जे बनाने शुरू कर दिए। मगर कोरोना संक्रमण-काल में मांग और आपूर्ति, दोनों ठप हो गई।

अपने यहां जब कभी भी गिरावट आई, तब उसकी वजहें तात्कालिक रहीं। मसलन, सन 1979 से पहले अर्थव्यवस्था में सिकुड़न सूखे के कारण होता था। चूंकि उस दौर में उत्पादन का प्रमुख आधार कृषि था, इसलिए साल 1951, 1965, 1966, 1971, 1972 और 1979 में पर्याप्त बारिश न होने से विकास दर प्रभावित हुई। कृषि-उत्पादन बढ़ते ही अर्थव्यवस्था अपनी गति पा लेती थी। सरकार की इसमें कोई भूमिका नहीं होती थी। साल 1967-68 में यह भी पाया गया कि देश में जब सूखा आता है, तो कपड़ेकी मांग कम हो जाती है। असल में, सूखा पड़ जाने से लोगों की क्रय-क्षमता कम हो जाती थी और वे नए कपड़े खरीदने से बचने लगते थे। चूंकि कृषि के बाद कपड़ा उद्योग दूसरा सबसे बड़ा सेक्टर था, इसलिए वहां मांग कम होने का असर हमारी पूरी अर्थव्यवस्था पर दिखता। मगर 1979-80 के बाद अर्थव्यवस्था पर सर्विस सेक्टर हावी होता गया, जिसके कारण सूखे के बावजूद अर्थव्यवस्था बहुत ज्यादा प्रभावित नहीं हुई। जैसे, साल 1987 के सूखे के बाद भी विकास दर धनात्मक रही। अब अर्थव्यवस्था में कृषि क्षेत्र की हिस्सेदारी घटकर 13 प्रतिशत के करीब रह गई है, जबकि सर्विस सेक्टर की भागीदारी बढ़कर 55 प्रतिशत हो गई है। इस कारण यदि कृषि में 20 फीसदी तक की गिरावट (जो काफी ज्यादा मानी जाएगी) भी आती है, तो अर्थव्यवस्था को सिर्फ 2.6 प्रतिशत का नुकसान होगा, जबकि सर्विस सेक्टर आठ प्रतिशत की दर से भी बढ़ता रहा, तो वृद्धि दर में उसका पांच फीसदी का योगदान रहेगा। विगत वर्षों में जब कभी संकट आया, तो सरकार को खास पहल करनी पड़ी। साल 2007-08 की वैश्विक मंदी का ही उदाहरण लें। इसमें सरकार ने मांग बढ़ाने का काम किया, जिसके कारण विकास दर काबू में रही। उस समय न सिर्फ किसानों के कर्ज माफ किए गए, बल्कि मध्याह्न भोजन, ग्रामीण रोजगार गारंटी जैसी योजनाओं का बजट बढ़ाकर दो-तीन लाख करोड़ रुपये ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचाए गए। इससे देश का राजकोषीय घाटा जरूर बढ़ गया, लेकिन लोगों के हाथों में पैसे आने से बाजार में मांग पैदा हो गई। ग्रामीण क्षेत्रों में पैसे भेजने से स्थानीय अर्थव्यवस्था को खूब लाभ मिलता है। इसके बरअक्स, शहरी लोग रुपये की आमद होने पर विलासिता की चीजें अधिक खरीदते हैं। चूंकि विलासिता के ज्यादातर उत्पाद विदेश से आयात होते हैं, इसलिए इन पर खर्च किया जाने वाला काफी पैसा संबंधित निर्यातक देश के खाते में चला जाता है, जबकि ग्रामीण बाजार में विलासिता की चीजें तुलनात्मक रूप से कम खरीदी जाती हैं, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था में पैसों की आमद बढ़ जाती है। आंकड़ों में इस साल कृषि क्षेत्र में 3.4 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया गया है। मगर पहली तिमाही में इस क्षेत्र में जबर्दस्त गिरावट आई है, क्योंकि मंडी में फल-सब्जी जैसे उत्पाद काफी कम मात्रा में पहुंचे। दूसरी तिमाही में अर्थव्यवस्था कुछ संभली जरूर, लेकिन पटरी पर नहीं लौट सकी। तीसरी-चौथी तिमाही की भी बहुत अच्छी तस्वीर नहीं दिख रही। यानी, जो आकलन किया गया है, उससे भी ज्यादा की गिरावट आ सकती है। जैसे कि सर्विस सेक्टर में रेस्तरां, होटल, परिवहन आदि की सेहत अब भी डांवांडोल ही है। इस संकट का समाधान क्या है? सार्वजनिक खर्च बढ़ाने का दांव खेला जा सकता है, पर हमारा राजकोषीय घाटा पहले से ही बढ़ा हुआ है। कोविड-19 से पहले केंद्र, राज्य और सार्वजनिक इकाइयों का संयुक्त घाटा करीब 10 फीसदी था। पिछले साल की आखिरी तिमाही में वृद्धि दर 3.5 प्रतिशत थी, जबकि इससे दो साल पूर्व की तिमाही में आठ फीसदी। पहले से बिगड़ रही आर्थिक सेहत को कोरोना महामारी ने आईसीयू में पहुंचा दिया है। मांग और आपूर्ति खत्म हो जाने के कारण नए तरीके से इस संकट से हमें लड़ना होगा। इसलिए सार्वजनिक खर्च बढ़ाना एकमात्र उपाय नहीं हो सकता, क्योंकि राजकोषीय घाटा अभी 20 फीसदी से भी अधिक है। बीते साल 22 लाख करोड़ रुपये के आर्थिक पैकेज का भी एलान किया गया। मगर इसका सिर्फ 15 फीसदी हिस्सा बजट के रूप में आवंटित किया गया, शेष 85 फीसदी राशि बतौर कर्ज बांटने की बात कही गई। चूंकि कर्ज लेने के लिए लोग तैयार नहीं थे, इसलिए यह राशि उनकी क्रय-क्षमता नहीं बढ़ा सकी। बेहतर तो यह होता कि सरकार ग्रामीण योजनाओं के बजट बढ़ाती, ताकि लोगों के हाथों में सीधे पैसे पहुंचे। वैसे भी, संगठित क्षेत्र की कंपनियां खुद को संभाल सकती हैं, क्योंकि उनके पास पूंजी भी होती है और बैंक के दरवाजे भी उनके लिए खुले रहते हैं, जबकि अपने देश में असंगठित क्षेत्र की तकरीबन छह करोड़ छोटी-मोटी इकाइयां हैं, जो बहुत छोटे, लघु और मध्यम उद्योग के 99 फीसदी रोजगार बांटती हैं। परेशानी इन्हीं क्षेत्रों को है। यहीं से लोगों का पलायन हुआ है। जाहिर है, ग्रामीण रोजगार योजनाओं का विस्तार जरूरी है। 100 दिनों के बजाय जरूरतमंदों को 200 दिनों का रोजगार दिया जाना चाहिए। इस समय जरूरत एक शहरी रोजगार योजना की भी है। अर्थव्यवस्था तभी संभलेगी, जब मांग बढ़ेगी। और, इसके लिए लोगों के हाथों में पैसे देने चाहिए। रही बात सर्विस सेक्टर की, तो टीकाकरण अभियान का जैसे-जैसे विस्तार होगा, यह क्षेत्र भी अपनी पुरानी लय पा लेगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

ज्ञान गंगा

अहोभाव

जग्गी वासुदेव/ तुम उदास होते हो तो तुम्हें लगता है कि कुछ बुरा हुआ है। तब तुम उससे बचने की कोशिश करते हो। तुम इस कोशिश पर गौर नहीं करते। तब तुम किसी दूसरे के पास जाते हो- किसी पार्टी में, किसी क्लब में, या फिर टीवी या रेडियो चला देते हो, या अखबार पढ़ने लगते हो--कुछ भी, जिससे तुम इसे भुला सको। तुम्हें यह गलत दृष्टि दी गई है-कि उदासी गलत है। इसमें कुछ बुरा नहीं है। यह जीवन का दूसरा छोर है। प्रसन्नता एक छोर है, उदासी दूसरा। आनंद एक छोर है, दुख दूसरा। जीवन दोनों से मिलकर बना है, और जीवन एक क्रियाकलाप है इन दोनों के कारण। आनंदपूर्ण जीवन का केवल विस्तार होगा, उसमें गहराई नहीं होगी। केवल उदासी के जीवन में गहराई होगी, विस्तार नहीं। उदास और आनंदपूर्ण जीवन बहुआयामी होता है; यह सभी दिशाओं में एक साथ चलता है। बुद्ध की प्रतिमा को ध्यान से देखो या कभी मेरी आंखों में देखो, तुम दोनों को एक साथ पाओगे-आनंद, शांति, और उदासी भी। तुम ऐसा आनंद पाओगे जिसमें उदासी भी है, क्योंकि वह उदासी तुम्हें गहराई देती है। बुद्ध की प्रतिमा को देखो- आनंदपूर्ण, लेकिन फिर भी उदास। मात्र 'उदास' शब्द ही तुम्हें गलत अर्थ देता है-कि कुछ गलत है। यह तुम्हारी धारणा है। मेरे लिए जीवन अपनी समग्रता में ही शुभ है। और जब तुम जीवन को अपनी समग्रता में समझ लेते हो, तभी तुम उसका उत्सव मना सकते हो; नहीं तो यह असंभव है। उत्सव का अर्थ होता है-जो भी होता है वह गौण है-मैं तो उत्सव मनाऊंगा। उत्सव किन्हीं विशेष बातों पर निर्भर नहीं है-'कि मैं खुश हूं, इसलिए उत्सव मनाऊंगा' या 'जब मैं अप्रसन्न होऊंगा उत्सव नहीं मनाऊंगा'। यह उदासी लाता है-शुभ है, मैं इसका उत्सव मनाता हूं। यह प्रसन्नता लाता है-शुभ है, मैं इसका जश्न मनाता हूं। उत्सव ही मेरा नजरिया है, फिर जीवन भले ही कुछ भी लाए। परंतु एक समस्या खड़ी हो जाती है क्योंकि मैं जब भी शब्दों का प्रयोग करता हूं, उन शब्दों के अर्थ तुम्हारे चित्त पर हैं। जब मैं कहता हूं, 'उत्सव मनाओ' तो इसका अर्थ खुश होना है, जब कोई उदास है तो उत्सव कैसे मना सकता है? मैं यह नहीं कह रहा कि उत्सव मनाने के लिए खुश होना आवश्यक है। उत्सव का अर्थ है जीवन ने हमें जो भी दिया है उसके प्रति अहोभाव। अस्तित्व हमें जो भी दे, उत्सव उसके प्रति धन्यवाद का भाव है, अहोभाव है।

आज का राशिफल

मेष बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

वृषभ पारिवारिक व व्यावसायिक समस्याएं रहेंगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जारी प्रयास सफल होंगे। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। पिता या उच्चाधिकारी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि मिलेगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

तुला राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृश्चिक आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रियजन भेंट संभव।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। जारी प्रयास सफल होंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

कुम्भ व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। नेत्र विकार की संभावना है। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। सृजनात्मक कार्यो में हिस्सा लेना पड़ सकता है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कार्यो में खर्च करना पड़ सकता है।

भद्रलोक की चुनावी फिजां में राष्ट्रवाद

उमेश चतुर्वेदी

सांस्कृतिक और राजनीतिक चेतना से लैस पश्चिम बंगाल में माटी-मानुष को भाजपा ने जिस तरह मुद्दा बनाया है, हैरत ही होगी कि इस माहौल में वहां बंकिम और टैगोर के विचारों की चर्चा ना हो लेकिन भद्रलोक ने निराश नहीं किया है। गुरुदेव की तपोभूमि शांति निकेतन के दौरे पर अमित शाह के पहुंचते ही टैगोर के विचारों के बहाने आरोपों-प्रत्यारोपों के दौर शुरू हो गए। पहले भाजपा का एक पोस्टर मुद्दा बना, जिसमें शाह की फोटो के नीचे गुरुदेव टैगोर का स्केच था। तृणमूल कांग्रेस ने आरोप लगाया कि भाजपा बंगाल की संस्कृति नहीं जानती और उसने गुरुदेव का अपमान किया है। लेकिन सवाल यह भी है कि तृणमूल ने गुरुदेव का कितना मान रखा है? पश्चिम बंगाल राष्ट्रीय और स्वदेशी विचार के हुंकार की धरती है। पश्चिम बंगाल में भाजपा कितना सफल होगी, यह तो भविष्य में पता चलेगा लेकिन उसने निश्चित तौर पर राष्ट्रीयता, स्वदेशी और वैश्विकता के विचार की धरती पर इन्हीं हथियारों से ममता को मात देने की रणनीति बनाई है। ऐसे में इन तीनों विचारों खासकर गुरुदेव से जुड़े सवाल उठेंगे और इतिहास को खंगाला भी जाएगा। इन संदर्भों में कह सकते हैं कि आने वाले दिनों में पश्चिम बंगाल में इतिहास के साथ ही संस्कृति का खूब हवाला दिया जाएगा और इनके जरिए राजनीतिक हमले होंगे। आधुनिक भारत में राष्ट्रीयता, स्वदेशी और वैश्विकता, तीनों ही विचार बंगाल की धरती पर फले-फूले। 1882 में अपने उपन्यास आनंद मठ में बंकिम चंद्र ने वंदेमातरम का जो घोष दिया, बाद में वह राष्ट्रीयता का उद्घोष बना। 1905 में बंगाल के विभाजन के खिलाफ बहिष्कार का जो आंदोलन शुरू हुआ, उसका आधार स्वदेशीवाद रहा। जिसे बाद में गांधी जी ने चरखे के रूप में अपनाकर अंग्रेजी शासन के बहिष्कार का औजार बना दिया। बंग भंग विरोधी आंदोलन के बहाने राष्ट्रवाद की लहर भी चली, जिसने भारत को नयी दृष्टि दी। यह विरोधाभास ही है कि विश्व कवि गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर ने शुरू में बंग भंग के खिलाफ उमड़े प्रतिरोध के सुरों में स्वदेशीवाद का समर्थन किया। लेकिन 1913 में नोबेल पुरस्कार मिलने के बाद वैश्विक प्रतिष्ठा बढ़ने के बाद वे इससे विचलित होने लगते हैं। भाजपा की आलोचना उसके राष्ट्रवाद को लेकर खूब की जाती है। कांग्रेस नेता और अन्य भाजपा विरोधी अक्सर 1916 और 1917 में गुरुदेव ने राष्ट्रवाद की जो परिभाषा दी, उनके आधार पर भाजपा पर सवाल उठाते हैं। राष्ट्रवाद को लेकर टैगोर ने 1916 और 1917 में जापान और अमेरिका में कुछ व्याख्यान दिए थे। कहना न होगा कि बंगाल की धरती पर भाजपा के आक्रामक अभियान के बाद एक बार फिर टैगोर के राष्ट्रवाद को बौद्धिक वर्ग में खूब याद किया जा रहा है। प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान हुई इन यात्राओं के दौरान राष्ट्रवाद को लेकर गुरुदेव की जो समझ बनी थी, उसके प्रमुखतः तीन आधार थे। उन्होंने देखा कि राष्ट्रीय राज्य की नीतियां आक्रामक हैं, वह वाणिज्य के साथ मिलकर मनुष्य की आंतरिक स्वाधीनता को बाधित करता है और इसमें नस्लवाद भी है। भाजपा की आलोचना करने वाले राष्ट्रवाद पर गुरुदेव के विचारों की पृष्ठभूमि को भुला देते हैं। देश के अग्रणी सांख्यिकीविद प्रशांत महालनोबिस रवींद्रनाथ टैगोर के व्यक्तित्व, विचार और साहित्य के गहन अध्येता रहे हैं। स्वदेशीवाद से वैश्विकता तक की गुरुदेव की वैचारिक यात्रा को महालनोबिस टैगोर के दोहरे व्यक्तित्व के तौर पर देखते हैं। अक्तूबर, 1920 में लिखे एक पत्र में वे कहते हैं, 'यूं तो उन्हें एकांत प्रिय है, लेकिन वे ज्यादा समय तक एकांतवासी नहीं रह सकते। उनमें कुछ ऐसी बात है, जो उन्हें सक्रियता के भंवरजाल की तरफ सदा धकेलती रहती है। ...स्वदेशी के भरपूर प्रचार के बाद उन्होंने सभी समितियों से त्यागपत्र दे दिया था, हर संगठन से अपने संबंध तोड़ लिये थे।' आधुनिक राष्ट्रवाद पर सवाल उठाने वालों को टैगोर साहित्य के दूसरे अध्येता ईपी थाम्पसन के निष्कर्ष को भी देखना चाहिए। थाम्पसन ने लिखा है, 'राष्ट्रवाद के इन व्याख्यानों (टैगोर के व्याख्यान) के पीछे ऐतिहासिक दबाव भी थे। इनमें सबसे प्रमुख दबाव तो प्रथम विश्वयुद्ध का संघात है। युद्ध पूर्व दशक में जनहितैषी उदारतावाद व सार्वभौमवाद का बहुत गुणगान किया गया था और इसे पाश्चात्य और पूर्व की संस्कृति की महान उपलब्धियों का संवाहक माना गया था। स्वयं टैगोर इस आंदोलन से गहरे तक प्रभावित हुए थे।' तृणमूल चाहे जो कहे, लेकिन यह भी सच है कि टैगोर के इन विचारों का जापान में वैसा स्वागत नहीं हुआ, जैसी उन्हें उम्मीद थी। 'भारत में राष्ट्रवाद' नामक व्याख्यान में टैगोर कहते हैं, 'भारतवर्ष ने शुरू से ही जातियों की भिन्नता को स्वीकार कर लिया था। भारतवर्ष दीर्घावधि से ही सामाजिक एकता के विकास से संबंधित यह प्रयोग करता रहा है कि एक तरफ तो सभी लोगों में एकता की भावना बनी रहे तो दूसरी तरफ अपनी भिन्नता के बावजूद वे अपनी स्वतंत्रता का आनंद उठाते रह सकें। ...इसने एक तरह के संयुक्त राष्ट्रों को जन्म दिया है, जिसका नाम है हिंदुत्व।' कहना न होगा कि हिंदुत्व की इसी जमीन को पश्चिम बंगाल में भाजपा तैयार करने जा रही है। इसका मौका दिया है, ममता के शासन की सोच से सिरे से गायब इस विचार ने लेकिन बड़ा सवाल यह है कि क्या इसे ममता और उनके समर्थक स्वीकार कर पाएंगे?

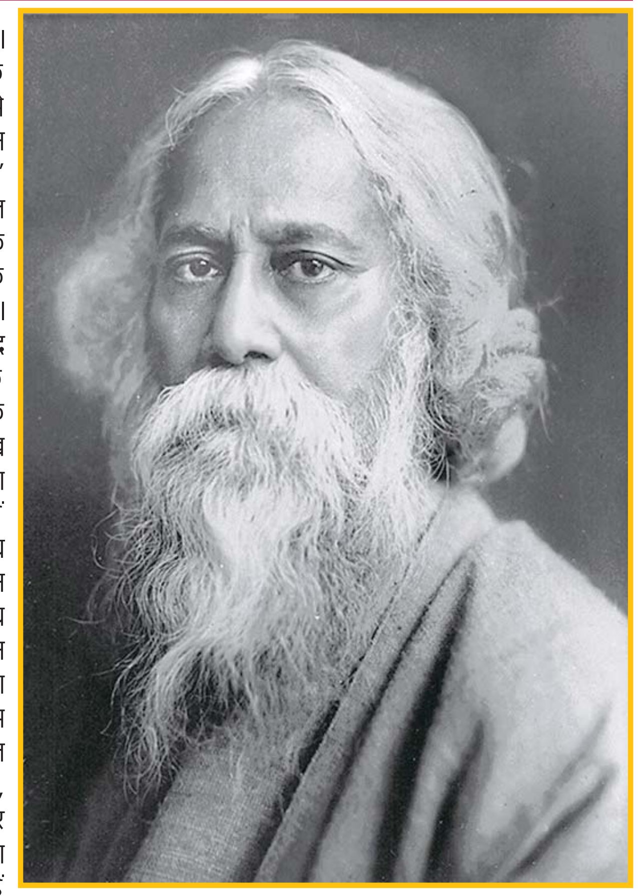

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गोल्ड बॉन्ड स्कीम के तहत डिजिटल मोड का उपयोग करने वाले निवेशकों को छूट देगी सरकार

नई दिल्ली। सरकार अपनी गोल्ड बॉन्ड योजना के तहत ऑनलाइन आवेदन करने और डिजिटल मोड के माध्यम से भुगतान करने वाले निवेशकों को 50 रुपये प्रति ग्राम की छूट देगी। वित्त मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, सब्सक्रिप्शन के लिए डिजिट मोड का उपयोग करने वाले निवेशकों के लिए, सोने के बॉन्ड की कीमत 5,054 रुपये प्रति ग्राम होगी। अन्यथा, सदस्यता अवधि के दौरान बॉन्ड का निर्गम मूल्य 5,104 रुपये प्रति ग्राम होगा।

अमॉन्ग अस मोबाइल गेम साल 2020 में सबसे ज्यादा हुआ डाउनलोड

नई दिल्ली। मिस्ट्री-पार्टी-एक्शन गेम अमॉन्ग अस एक ऐसा मोबाइल गेम है, जिसे साल 2020 में एंड्रॉयड और आईओएस एप स्टोर दोनों में ही सबसे अधिक डाउनलोड किया गया, इसने पबजी मोबाइल और रोबलोक्स जैसे गेम्स को भी पछाड़ दिया है। एपटोपिया द्वारा जारी किए गए आंकड़े के मुताबिक, अमंग अस को दुनियाभर में 26.4 करोड़ लोगों ने डाउनलोड किया है, जबकि अमेरिका में इसे 4.1 करोड़ यूजर्स द्वारा डाउनलोड किया गया है। 17.5 करोड़ डाउनलोड के साथ पबजी (भारत में प्रतिबंधित) चौथे स्थान पर विराजमान है, जबकि 22.7 करोड़ डाउनलोड के साथ सबवे सरफेस दूसरे और 21.8 करोड़ डाउनलोड के साथ गरेना फ्री फायर साल के शीर्ष दस गेमों में तीसरे स्थान पर अपनी जगह बनाने में कामयाब रहा है। ऑनलाइन गेमों में अमॉन्ग अस खेलने वालों की संख्या एक से अधिक है। इसमें स्पेशशिप में क्रू मेंबर्स साथ में मिलकर अपने टास्क को पूरा करते हैं और खुद को अच्छा दिखाने वाले ढोंगियों की पहचान कर उन्हें मार गिराते हैं।

गूगल ने प्ले स्टोर से हटाया कंजर्वेटिव्स का पार्लर ऐप

सैन फ्रांसिस्को। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की सामूहिक लड़ाई में गूगल ने अपने प्ले स्टोर से कंजर्वेटिव्स और चरमपंथियों के सोशल मीडिया ऐप पार्लर को हटा दिया है। ऐक्सियोस की रिपोर्ट के अनुसार, टेक दिग्गज ने पाया कि पार्लर ने अमेरिका में हिंसा को भड़काने की मांग करने वाली पोस्ट को हटाने के लिए कड़ी कार्रवाई नहीं की थी। गूगल ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, हम पार्लर ऐप में लगातार हो रही पोस्ट्स के बारे में जानते हैं जो अमेरिका में चल रही हिंसा को भड़काना चाहती हैं। सार्वजनिक सुरक्षा को खतरे में देखते हुए हम तत्काल प्ले स्टोर से ऐप की लिस्टिंग को रद्द कर रहे हैं जब तक कि वह इन मुद्दों पर काम नहीं करता है। पार्लर ने गूगल प्लेटफॉर्म द्वारा लगाए गए प्रतिबंध पर कोई टिप्पणी नहीं की है। वहीं एप्पल ने भी पार्लर को अपने ऐप को मॉडरेट करने या हटाने के लिए एक अल्टीमेटम दिया है। पार्लर के सीईओ जॉन मैटेज ने एप्पल की धमकियों का जवाब देते हुए कहा, कंपनी प्रतिस्पर्धी विरोधियों के दबाव में नहीं आएगी! यह ऐप अभी भी एप्पल के ऐप स्टोर पर उपलब्ध है। बता दें कि पार्लर को फ्री स्पीच विकल्प के रूप में जाना जाता है। यह ऐसे पोस्ट करने की अनुमति देता है जिसमें साजिशों, धमकियों और अभद्र भाषा समेत अन्य चीजें शामिल हों। इससे पहले सोशल मीडिया दिग्गज ट्विटर और फेसबुक ट्रंप द्वारा हिंसा को और भड़काने का जोखिम का हवाला देते हुए उनके अकाउंट को बंद कर चुके हैं।

इस साल भारत का राजकोषीय घाटा GDP के 7.5 प्रतिशत पहुंचने का अनुमान: विशेषज्ञ

बिजनेस डेस्क।

देश का राजकोषीय घाटा चालू वित्त वर्ष 2020-21 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 7.5 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान है। विशेषज्ञों ने यह राय जताई है। उनका कहना है कि कोविड-19 महामारी की वजह से राजस्व संग्रह घटने से राजकोषीय घाटा अनुमान से कहीं ऊपर रहेगा। चालू वित्त वर्ष में राजकोषीय घाटे का बजट अनुमान 3.5 प्रतिशत रखा गया है। इस लिहाज से राजकोषीय घाटा बजट अनुमान से 100 प्रतिशत अधिक रहने की संभावना है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2020-21 के आम बजट में राजकोषीय घाटा 7.96 लाख करोड़ रुपये या जीडीपी का 3.5 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था।

ऋण 7.80 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान

इसी तरह वित्त मत्री ने बजट में सकल बाजार ऋण 7.80 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान रखा था। कोविड-19 संकट के बीच धन की कमी से जूझ रही सरकार ने मई में चालू वित्त वर्ष के लिए बाजार ऋण कार्यक्रम को 50 प्रतिशत से अधिक बढ़ाकर 12 लाख करोड़ रुपये कर दिया था। इक्रा की प्रमुख अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा कि मार्च में समाप्त हो रहे वित्त वर्ष में राजकोषीय घाटा 7.5 प्रतिशत पर पहुंचने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि हमारा अनुमान है कि राजकोषीय घाटा 14.5 लाख करोड़ रुपये या जीडीपी का 7.5 प्रतिशत रहेगा। मौजूदा मूल्य पर सकल घरेल उत्पाद 2020-21 में 194.82 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है।

कोविड-19 संकट के बीच धन की आई कमी

वहीं 31 मई, 2020 को वित्त वर्ष 2019-20 के लिए जारी जीडीपी का शुरुआती अनुमान 203.40 लाख करोड़ रुपये था। ईवाई इंडिया के मुख्य नीति सलाहकार डी के श्रीवास्तव ने कहा कि केंद्र सरकार को इस साल पूर्व घोषित 12 लाख करोड़ रुपये से कहीं अधिक राजकोषीय घाटे का सामना करना पड़ सकता है।

घरेलू विमान सेवा के किराए के लिए तय की गई सीमा 31 मार्च तक लागू रहेगी: विमानन मंत्रालय

नई दिल्ली:

नागर विमानन मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि घरेलू विमान सेवाओं के लिए तय की गई किराये की ऊपरी और निचली सीमा 31 मार्च तक लागू रहेगी। मंत्रालय ने पहले 21 मई, 2020 को यह सीमा 24 अगस्त तक लागू की थी। बाद में इसे 24 नवंबर 2020 तक और फिर 24 फरवरी, 2021 तक बढ़ा दिया गया था। मंत्रालय ने एक आदेश में कहा, ''किराए पर लगाई गई सीमा की अवधि 31 मार्च, 2021 की रात 11 बजकर 59 तक के लिए बढ़ाई गई है। आदेश में कहा गया है कि विमानन कंपनियों को हर उड़ान की कम से कम 20 प्रतिशत सीटें किराए की ऊपरी और निचली सीमा के मध्य बिंदु से नीचे की दर पर बेचनी होंगी। अभी तक विमानन कंपनियां कम से कम 40 प्रतिशत टिकट मध्य बिंदु से नीचे की दर पर बेच रही थीं। देश में घरेलू विमान सेवा कोरोना वायरस के कारण करीब दो महीने बंद रहने के बाद 25 मई, 2020 को पुन~ आरंभ हुई थी।

एनएचएआई पांच साल में संपत्तियों के मौद्रिकरण से 1 लाख करोड़ रुपए जुटाएगी: गडकरी

नई दिल्ली: भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) टोल-परिचालन- स्थानांतरण (टीओटी) आधार पर राजमार्गों के मौद्रिकरण के जरिये अगले पांच साल में एक लाख करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रहा है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग तथा एमएसएमई मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। गडकरी ने कहा कि जीपीएस के जरिए इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रहण की योजना पारगमन की सही दूरी के लिए है। गडकरी ने 25वें व्हार्टन इंडिया इकनॉमिक फोरम को संबोधित करते हुए कहा,''एनएचएआई का अगले पांच साल में टीओटी आधार पर संपत्तियों के मौद्रिकरण से एक लाख करोड़ रुपये जुटाने का इरादा है। हमें काफी अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। हमें कई नए मॉडल और पेंशन कोषों के अलावा विदेशी निवेशकों से प्रतिक्रिया मिल रही है। एनएचएआई सार्वजनिक रूप से वित्तपोषित उन राजमार्ग परियोजनाओं का मौद्रिकरण करने के लिए अधिकृत है, जो परिचालन में हैं और वाणिज्यिक परिचालन के बाद कम से कम एक साल से टोल संग्रह कर रही हैं। मंत्री ने कहा,''जीपीएस के जरिए टोल संग्रह में कार की तस्वीर ली जाएगी और किसी वाहन द्वारा सड़क के इस्तेमाल के आधार पर उपयोगकर्ता से टोल काटा जाएगा। गडकरी ने कहा कि फास्टैग के जरिये इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह से टोल राजस्व बढ़ा है। फास्टैग के जरिये संग्रहण अभी 75 प्रतिशत है, जो एक महीने में 98 प्रतिशत हो जाएगा।

इकॉनमी ने पकड़ी रफ्तार: दिसंबर में लगातार चौथे महीने बढ़ी ईंधन की मांग, 11 माह के उच्चस्तर पर

नेशनल डेस्क।

देश की ईंधन की मांग में दिसंबर में लगातार चौथे महीने बढ़ोतरी हुई है। आर्थिक गतिविधियां फिर शुरू होने से ईंधन की खपत दिसंबर में 11 महीने के उच्चस्तर पर पहुंच गई है। हालांकि, यह कोविड-19 के पूर्व के स्तर से अभी दो प्रतिशत कम है। पेट्रोलियम मंत्रालय के पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ के अस्थायी आंकड़ों के अनुसार दिसंबर, 2020 में पेट्रोलियम उत्पादों की कुल मांग सालाना आधार पर घटकर 1.85 करोड़ टन रह गई। एक साल पहले समान महीने में यह 1.89 करोड़ टन थी।

लगातार चौथे महीने बढ़ी ईंधन की मांग

परिवहन और कारोबारी गतिविधियां शुरू होने से दिसंबर में ईंधन की खपत माह-दर-माह आधार पर लगातार चौथे महीने बढ़ी है। नवंबर, 2020 में देश में ईंधन की खपत 1.78 करोड़ टन रही थी। पेट्रोल की खपत सितंबर में कोविड-19 के पूर्व के स्तर पर पहुंची थी। वहीं डीजल की खपत अक्टूबर में सामान्य हुई थी। हालांकि, नवंबर में इसकी मांग में फिर गिरावट आई। दिसंबर में भी इसकी मांग घटी है। अक्टूबर में डीजल की मांग सालाना आधार पर 7.4 प्रतिशत बढ़ी थी। नवंबर में यह 6.9 प्रतिशत और दिसंबर में 2.7 प्रतिशत घटकर 71.8 लाख टन रह गई। हालांकि, माह-दर-माह आधार पर डीजल की मांग मामूली सुधरी है। नवंबर में यह 70.4 लाख टन रही थी।

लॉकडाउन से ईंधन की मांग 49 प्रतिशत घटी

कोरोना वायरस के प्रसार पर अंकुश के लिए लगाए गए लॉकडाउन की वजह से अप्रैल में ईंधन की मांग 49 प्रतिशत घटी थी। 69 दिन के राष्ट्रीय स्तर के लॉकडाउन के बाद स्थानीय और राज्यस्तर पर भी अंकुश लगाए। हालांकि, बाद में इन अंकुशों में धीरे-धीरे ढील दी गई। नियंत्रण वाले क्षेत्रों में स्थानीय स्तर पर अंकुश अभी कायम हैं।

त्योहारी सीजन में ईंधन की खपत में वृद्धि शुरू

त्योहारी सीजन की शुरुआत से ईंधन की खपत में वृद्धि शुरू हुई। लेकिन देश के ज्यादातर हिस्सों में स्कूल और शैक्षणिक संस्थान अभी बंद हैं। ऐसे में सार्वजनिक परिवहन अभी सामान्य नहीं हो पाया है। दिसंबर में नाफ्था की मांग 2.67 प्रतिशत घटकर 12.3 लाख रह गई। इसका इस्तेमाल बिजली उत्पादन के लिए औद्योगिक ईंधन के रूप में तथा पेट्रोरसायन उत्पादन में होता है। हालांकि, सड़क निर्माण में काम आने वाले बिटुमन की खपत दिसंबर में 20 प्रतिशत बढ़कर 7,61,000 टन पर पहुंच गई।

लॉकडाउन में एलपीजी की मांग बढ़ी

एलपीजी एकमात्र ईंधन है जिसकी मांग लॉकडाउन में भी बढ़ी थी। सरकार ने गरीब परिवारों को रसोई गैस सिलेंडर मुफ्त दिए थे। दिसंबर में एलपीजी की मांग 7.4 प्रतिशत बढ़कर 25.3 लाख टन पर पहुंच गई। विमान ईंधन एटीएफ की मांग दिसंबर में सालाना आधार पर 41 प्रतिशत घटकर 4,28,000 टन रह गई। माह-दर-माह आधार पर एटीएफ की मांग में 13.5 प्रतिशत का सुधार हुआ।

बजट पूर्व बैठक~ अर्थशास्त्रियों का निजीकरण तेज करने, ढांचागत क्षेत्र में खर्च बढ़ाने पर जोर

नयी दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आगामी आम बजट से पहले शुक्रवार को प्रमुख अर्थशास्त्रियों के साथ बैठक की। इस दौरान प्रधानमंत्री ने उनके समक्ष कोविड- 19 महामारी के दौरान सरकार द्वारा उठाये गये राजकोषीय तथा अन्य सुधारों का उल्लेख किया वहीं अर्थशास्त्रियों ने उनसे निजीकरण में तेजी लाने और ढांचागत क्षेत्र की परियोजनाओं में व्यय बढ़ाने पर जोर दिया। अर्थशास्त्रियों ने देश में निवेशकों का विश्वास बढ़ाने के लिये अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता अदालतों के फैसलों को सरकार द्वारा चुनौती दिये जाने से बचने की भी सलाह दी। प्रधानमंत्री के साथ वीडियो कन्फ्रेंसिंग के जरिये हुई इस बजट पूर्व बैठक में अर्थशास्त्रियों ने यह भी कहा कि सरकार को 2021- 22 के आगामी बजट में राजकोषीय घाटे के प्रति उदार रुख अपनाना चाहिये। इस समय कोरोना वायरस से प्रभावित अर्थव्यवस्था के पुनरुत्थान के लिये खर्च बढ़ाना जरूरी है। बैठक के बाद नीति आयोग द्वारा जारी एक नोट में कहा गया है कि बैठक में उपस्थित सभी ने इस पर सहमति जताई की उच्च आवृति वाले सभी संकेतक मजबूत आर्थिक पुनरूत्थान दिखा रहे हैं। यह अनुमान से कहीं पहले हो रहा है। ''उपस्थितों का मोटे तौर पर यह भी मानना था कि अगले साल मजबूत वृद्धि हासिल होगी और उन्होंने भारत के सामाजिक आर्थिक बदलाव के लिये इस वृद्धि दर को आगे भी बनाये रखने के उपाय सुझाये।''

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दो घंटे चली लंबी बैठक के बाद अपने संबोधन में सरकार की ओर से राजकोषीय प्रोत्साहनों के साथ ही सुधारों पर आधारित प्रोत्साहनों का उल्लेख किया जिसमें कृषि, वाणिज्यिक कोयला खनन और श्रम कानूनों जैसे एतिहासिक सुधारों का आगे बढ़ाया गया। मोदी ने आगे कहा कि कोविड- 19 महामारी और इसके फैलने के बाद के प्रबंधन ने ऐसे कार्यों में लगे सभी विशेषज्ञों के समक्ष नई चुनौतियां खड़ी कर दीं। प्रधानमंत्री ने इस दौरान आत्मनिर्भर भारत के पीछे के अपने विजन के बारे में भी बताया। इसके तहत भारतीय कंपनियों को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के साथ इस तरह जोड़ा जायेगा जैसे पहले कभी नहीं देखा गया। ढांचागत विकास के मामले में मोदी ने राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन (एनआईपी) का जिक्र किया और कहा कि सरकार विश्व स्तरीय ढांचागत सुविधाओं को विकसित करने के लिये प्रतिबद्ध है। नीति आयोग के नोट में कहा गया कि प्रधानमंत्री ने लक्ष्यों को हासिल करने में भागीदारी के महत्व को बताने के साथ अपनी बात समाप्त की। उनहोंने कहा कि इस तरह के विचार विमर्श व्यापक आर्थिक एजेंडा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बैठक में उपस्थित एक सूत्र ने कहा, ''सरकार से कहा गया कि निवेशकों का विश्वास बढ़ाने की जरूरत है। सरकार को हर चीज (अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता अदालतों के फैसलों जैसे) को चुनौती देने से बचना चाहिये। यह काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि कई तरह के सुधार उपाय किये जाने के बावजूद अभी भी देश में बड़े पैमाने पर निवेश नहीं आ रहा है।'' बैठक में उपस्थित वक्ताओं ने देश की जीडीपी के समक्ष कर अनुपात को बढ़ाये जाने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह अनुपात 2008 से कम हो रहा है। सरकार को आयात शुल्क को तर्कसंगत बनाने और बैंकों के पुनर्पूंजीकरण पर ध्यान देना चाहिये। कुछ वक्ताओं ने जरूरत पड़ने पर सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के निजीकरण और संपत्तियों की बिक्री के लिये अलग मंत्रालय बनाने का भी सुझाव दिया। बैठक में अरविंद पनगढ़िया, के वी कामत, राकेश मोहन, शंकर आचार्य, शेखर शाह, अरविंद विरमानी और अशोक लाहिड़ी जैसे प्रमुख अर्थशास्त्रियों के साथ अन्य लोग भी उपस्थित थे। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, वित्त राज्यमंत्री अनुराग ठाकुर, योजना राज्यमंत्री इंद्रजीत सिंह, नीति आयोग के उपाध्यक्ष राजीव कुमार और नीति आयोग के सीईओ अमिताथ कांत भी बैठक में उपस्थित थे।

यह बैठक एक फरवरी को पेश होने वाले 2021-22 के आम बजट से पहले हो रही है। इस लिहाज से यह काफी महत्वपूर्ण बैठक रही है। इसमें दिये गये सुझावों को आगामी बजट में शामिल किया जा सकता है। सूत्रों ने बताया कि कुछ अर्थशास्त्रियों ने निर्यात प्रोत्साहनों पर ध्यान देने का सुझाव दिया। उनका कहना था कि घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिये यह जरूरी है। ज्यादातर अर्थशास्त्रियों ने निवेशकों का विश्वास बढ़ाने के लिये ठोस कदम उठाये जाने पर जोर दिया। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के बृहस्पतिवार को जारी अनुमान के मुताबिक मार्च में समाप्त होने जा रहे चाले वित्त वर्ष में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 7.7 प्रतिशत गिरावट आने का अनुमान है।

5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था पीएम मोदी का सपना, 2025 तक करेंगे हासिल: गोयल

नई दिल्ली।

भारत 2025 तक 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को हासिल करने के लिए अपने समूचे पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत कर रहा है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को यह बात कही। गोयल ने प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना है। 'हम तेज संरचनात्मक सुधारों से इस लक्ष्य को हासिल करेंगे।

नए बाजारों में संभावनाएं तलाशी जा रही

गोयल ने कहा, 'हम अपनी गुणवत्ता, उत्पादकता, दक्षता में सुधार के लिए साथ-साथ काम कर रहे हैं। इससे भारतीय उद्योग हमारे निर्यात का विस्तार कर सकेगा। यह वास्तव में बड़ा, बेहतर और व्यापक हो सकेगा। मंत्री ने कहा कि वैश्विक स्तर पर भारतीय उत्पादों की पहुंच बढ़ाने के लिए आक्रामक तरीके से नए बाजारों में संभावनाएं तलाशी जा रही हैं। गोयल ने कहा, 'विदेश में रहने वाले भारतीयों को उपभोक्ता बाजार की अधिक समझ है। आप उपभोक्ता व्यवहार को गहराई से समझते हैं और भारतीय उद्योग को विदेशी बाजारों के अनुरूप उत्पाद का विकास करने में मदद कर सकते हैं।

यही आत्मनिर्भर भारत का सिद्धान्त है

मंत्री ने कहा कि कोविड-19 से पैदा हुई दिक्कतों के बाद सभी को समझ आ गया है कि कुछ बड़ा करने का साहस होना चाहिए। उन्होंने कहा, 'यदि आप ऐसा नहीं करेंगे तो वैश्विक स्तर पर अगुवाई करने की अपनी क्षमता गंवा देंगे। यही आत्मनिर्भर भारत का सिद्धान्त है।

यह अपने दरवाजे बंद करना नहीं, बल्कि अपने दरवाजे को और अधिक खोलना है। इससे भारत अपनी क्षमता और दक्षता का निर्माण कर सकेगा और अपनी रफ्तार, कौशल और स्तर से जुझारू बन सकेगा।

संरचनात्मक सुधारों से लक्ष्य को करेंगे हासिल

गोयल ने कहा कि तेज संरचनात्मक सुधारों से भारत अपने पूरे पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत कर रहा है ताकि 2025 तक प्रधानमंत्री के 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था के सपने को पूरा किया जा सके। उन्होंने कहा, 'हम कारोबार शुरू करने में सुगमता, कारोबार सुगमता और अपने कारोबार को आगे बढ़ाने की सुगमता पर काम कर रहे हैं।

एलजी सीईएस में वर्चुअल ह्यूमन को बतौर स्पीकर पेश करेगी

सोल।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स ने कहा कि अगले हफ्ते आयोजित होने वाले कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स शो (सीईएस) में उनके द्वारा स्पीकर के रूप में एक वर्चुअल ह्यूमन को पेश किया जाएगा और ऐसा करने का मकसद दुनिया को उनकी आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) से रूबरू कराना है।

दक्षिण कोरिया की इस दिग्गज तकनीकि कंपनी ने कहा है कि इस आर्टिफिशियल ह्यूमन का नाम रिएह कीम है, जिसके द्वारा सोमवार को डिजिटली आयोजित हो रहे सीईएस के दौरान कंपनी के प्रेस इवेंट में तीन मिनट के एक प्रेजेंटेशन को प्रस्तुत किया जाएगा। एलजी ने इस वर्चुअल इंसान को एक 23 वर्षीय महिला म्यूजिशियन के तौर पर डिजाइन किया है। योनहाप समाचार एजेंसी के मुताबिक, इंस्टाग्राम पर इसके अभी से ही 5,000 से अधिक फॉलोअर्स हो गए हैं। एलजी ने कहा है कि वर्चुअल ह्यूमन के रिएह नाम का मतलब भविष्य का बच्चा है। हालांकि एलजी ने अभी भी यह स्पष्ट नहीं किया है कि इवेंट में रिएह कुछ कहेगी भी या नहीं और कंपनी किस तरह से अपने अत्याधुनिक एआई सिस्टम का इस्तेमाल करेगी, लेकिन इस बात की जानकारी मिली है कि रिएह कीम इवेंट में लोगों के साथ कोई बात नहीं करेगी।

रिलायंस इंफ्रा ने बेची अपनी 74% हिस्सेदारी, कंपनी ने कहा- अब कर्ज का बोझ होगा कम

बिजनेस डेस्क।

रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर ने परबती कोलडैम ट्रांसमिशन कंपनी लि. (पीकेटीसीएल) में अपनी समूची 74 प्रतिशत हिस्सेदारी की बिक्री का सौदा पूरा कर लिया है। कंपनी ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि उसने पीकेटीसीएल में अपनी हिस्सेदारी की बिक्री इंडिया ग्रिड ट्रस्ट को की है। यह सौदा 900 करोड़ रुपये में हुआ है।

900 करोड़ रुपये में हुआ सौदा

कंपनी ने कहा कि वह इस राशि का इस्तेमाल अपने कर्ज के बोझ को कम करने के लिए करेगी। इससे कंपनी पर बकाया कर छह प्रतिशत घटकर 14,000 करोड़ रुपये से 13,100 करोड़ रुपये पर आ जाएगा। कंपनी ने कहा कि उसने पीकेटीसीएल में अपनी समूची हिस्सेदारी की बिक्री इंडिया ग्रिड ट्रस्ट को सफलतापूर्वक पूरी कर ली है। यह सौदा 900 करोड़ रुपये में हुआ है।

पिछले साल हुई थी इस डील की घोषणा

रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर के पास हिमाचल प्रदेश और पंजाब में स्थित पीकेटीसीएल में 74 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। यह रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर और पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लि. (पीजीसीआईएल) का संयुक्त उद्यम है।

इस सौदे की घोषणा नवंबर, 2020 में हुई थी और रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर तथा इंडिया ग्रिड ट्रस्ट ने इस बारे में पक्के करार पर हस्ताक्षर किए थे।

यूपी एमएसएमई विभाग को डिजिटल एक्सीलेंस अवॉर्ड

लखनऊ।

उद्यमशीलता के छोटे-छोटे प्रयासों को प्रोत्साहन के पंख देने के लिए यूपी एमएसएमई विभाग की कोशिशों को एलेट्स अवार्ड ऑफ डिजिटल एक्सीलेंस से नवाजा गया है। एलेट्स टेक्नोमीडिया द्वारा आयोजित एक वर्चुअल समारोह में लघु, सूक्ष्म एवं मध्यम श्रेणी उद्यम विभाग के अपर मुख्य सचिव नवनीत सहगल को यह सम्मान दिया गया। आईसीटी के क्षेत्र में काम करने वाली एलेट्स संस्था की दसवीं सालगिरह पर आयोजित समारोह में विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विभागों और संस्थानों को पुरस्कृत किया गया। इसमें डिजिटल गवर्नेंस और सर्विसेज श्रेणी में यूपी एमएसएमई विभाग को एलेट्स अवार्ड ऑफ डिजिटल एक्सीलेंस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। वर्चुअल समारोह में बतौर मुख्य अतिथि केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर की उपस्थिति रही। एलेट्स के सीईओ डॉ.रवि गुप्ता ने कहा कि यूपी एमएसएमई विभाग द्वारा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम श्रेणी के उद्योगों की विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए खास पोर्टल (साथी)डेवलप किया गया, जिससे उद्योगों को खासा लाभ मिला। विभाग की कोशिशें औरों के लिए नजीर हैं। बता दें कि उत्तर प्रदेश के एमएसएमई विभाग ने अपने अभिनव प्रयोगों से प्रदेश में उद्यमशीलता को खासा प्रोत्साहन दिया है।

एमएसएमई सेक्टर को आगे बढ़ाकर तथा इसके माध्यम से उद्यमियों, व्यवसायियों और युवाओं को उन्नति का बेहतर माहौल देकर प्रदेश की सम्भावनाओं को वास्तविक धरातल पर उतारने में सफलता मिल रही है। यही नहीं, आत्मनिर्भर भारत योजना के तहत ऋण वितरण से प्रदेश की एमएसएमई इकाइयों को लाभ मिल रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

श्रीलंकाई स्पिनर धनंजय के गेंदबाजी एक्शन को आईसीसी ने दी हरी झंडी

दुबई। श्रीलंकाई स्पिनर अकिला धनंजय के गेंदबाजी एक्शन को आईसीसी ने हरी झंडी दे दी है। धनंजय को संदिग्ध गेंदबाजी एक्शन के चलते अगस्त में एक साल के लिए बैन कर दिया गया था। आईसीसी ने शनिवार को एक बयान जारी कर इस बात की जानकारी दी। उन्होंने कहा, आईसीसी आज इस बात की घोषणा करती है कि श्रीलंका के ऑफ स्पिनर अकिला धनंजय के गेंदबाजी एक्शन की जांच की गई और उनके एक्शन को सही पाया गया है। वह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में गेंदबाजी कर सकते हैं। धनंजय के गेंदबाजी एक्शन की शिकायत 29 अगस्त 2019 को न्यूजीलैंड के खिलाफ गॉल टेस्ट में की गई थी। इसके एक साल बाद उनको बैन किया गया था। कोविड-19 के कारण आईसीसी से मान्यता प्राप्त सेंटर में जांच संभव नहीं थी इसलिए श्रीलंका क्रिकेट ने उनके गेंदबाजी एक्शन की फुटेज भेजी थी। बयान में कहा गया है, विशेषज्ञों के पैनल ने धनंजय के वीडियो फुटेज को देखा और पैनल ने माना कि गेंदबाजी करते हुए उनकी कोहनी 15 डिग्री की सीमा में ही मुड़ रही है।

सिडनी टेस्ट

197 रनों की बढ़त के साथ आस्ट्रेलिया की पकड़ मजबूत

सिडनी।

आस्ट्रेलिया ने अपने शानदार हरफनमौला खेल के दम पर सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) में खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन शनिवार का खेल खत्म होने तक भारत पर 197 रनों की मजबूत बढ़त ले ली है। आस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने भारतीय टीम को अपने पहली पारी के स्कोर 338 रनों से आगे नहीं जाने दिया। पैट कमिंस की अगुआई में आस्ट्रेलिया ने भारत को पहली पारी में 244 रनों पर ही समेट दिया और दूसरी पारी में 94 रनों की बढ़त लेते हुए उतरी। तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक मेजबान टीम ने दो विकेट खोकर 103 रन बना लिए हैं और अपनी बढ़त को मजबूत कर लिया है। दिन का खेल खत्म होने तक उसके दो मुख्य बल्लेबाज मार्नस लाबुशैन 47 और स्टीव स्मिथ 29 रन बनाकर खेल रहे हैं। इन दोनों ने पहली पारी में भी शानदार बल्लेबाजी की थी। लाबुशैन ने 91 रन बनाए थे तो वहीं स्मिथ ने 131 रनों की पारी खेली थी। आस्ट्रेलिया की सलामी जोड़ी एक बार फिर विफल रही और टीम को अच्छी शुरुआत नहीं दे सकी। पहली पारी में अर्धशतक जमाने वाले विल पुकोवस्की (10) 16 के कुल स्कोर पर मोहम्मद सिराज का शिकार हो गए। 35 के कुल स्कोर पर डेविड वार्नर (13) को रविचंद्रन अश्विन ने आउट किया। यहां से स्मिथ और लाबुशैन ने विकेट पर अपने पैर जमा लिए। दोनों के बीच अभी तक 68 रनों की साझेदारी हो चुकी है। लाबुशैन 69 गेंदों का सामना कर छह चौके लगा चुके हैं। वहीं स्टीव स्मिथ 63 गेंदों पर तीन चौके मार चुके हैं। इससे पहले भारत ने तीसरे दिन की शुरुआत 2 विकेट पर 96 रनों के साथ की। भारतीय टीम ने कुल 100.4 ओवरों का सामना किया। चेतेश्वर पुजारा ने 50 रन बनाए जबकि ऋषभ पंत ने 36 रनों की पारी खेली। रवींद्र जडेजा 28 रनों पर नाबाद लौटे। पंत और जडेजा दोनों को बल्लेबाजी के दौरान चोट लगी और दोनों के स्कैन के लिए ले जाया गया है। पंत की जगह रिद्धिमान साहा विकेटकीपिंग कर रहे हैं। भारत ने दिन के पहले सत्र में कप्तान अजिंक्य रहाणे (22) और हनुमा विहारी (4) के विकेट गंवाए थे। दूसरे सत्र में भारत ने पंत और पुजारा के साथ-साथ बाकी सभी विकेट गंवा दिए। आस्ट्रेलिया की ओर से पैट कमिंस ने चार विकेट लिए जबकि जोश हेजलवुड को दो विकेट मिले। मिशेल स्टार्क ने भी एक सफलता हासिल की। भारत के तीन बल्लेबाज रन आउट हुए। यह कुल सातवां मौका है जब किसी एक पारी में भारत के सात बल्लेबाज रन आउट हुए हैं। लंच तक भारत अच्छी स्थिति में दिख रहा था। उस समय तक उसने चार विकेट पर 180 रन बनाए थे। चार में से दो विकेट शनिवार को गिरे थे जबकि दो शुक्रवार को गिरे थे। लंच तक पुजारा 42 और पंत 29 रनों पर नाबाद थे। लंच के बाद भारत के लिए स्थिति बिल्कुल विपरीत हो गई। पहले पंत 195 के कुल योग

पर आउट हुए और फिर इसी योग पर पैट कमिंस ने पुजारा को आउट किया। पंत का विकेट हेजलवुड ने लिया जबकि पुजारा को कमिंस ने चलता किया। इसके बाद जडेजा और रविचंद्रन अश्विन (10) ने स्कोर को 200 के पार पहुंचाया लेकिन 206 के कुल योग पर अश्विन रन आउट कर दिए गए। नवदीप सैनी (3) को मिशेल स्टार्क ने 210 पर चलता किया और जसप्रीत बुमराह को 216 के कुल योग पर लाबुशैन ने रन आउट किया।

बुमराह, सिराज पर की गई नस्लीय टिप्पणी, भारतीय अधिकारियों ने की शिकायत : रिपोर्ट

सिडनी।

भारतीय क्रिकेट टीम के अधिकारियों ने शिकायत की है कि सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) पर आस्ट्रेलिया के साथ खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन शनिवार को तेज गेंदबाज-जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज पर दर्शकों ने नस्लीय टिप्पणी की है। तीसरे दिन का खेल खत्म होने के बाद आईसीसी, स्टेडियम के सुरक्षा अधिकारी बुमराह और सिराज के साथ लंबी बातचीत करते हुए नजर आए और इस दौरान भारतीय टीम प्रबंधन के सदस्य भी उनके साथ थे। टीम के कप्तान अजिंक्य रहाणे भी सुरक्षा अधिकारियों से बातें करते हुए नजर आए। आस्ट्रेलियाई अखबार द डेली टेलीग्राफ की रिपोर्ट के मुताबिक, यह पता चला है कि भारतीय अधिकारियों ने कहा है कि बुमराह और सिराज पर दर्शकों द्वारा बीते दो दिन से फब्तियां कसी जा रही हैं जो नस्लीय हैं। मैदान के रैंडविंक छोर की तरफ जहां सिराज फील्डिंग कर रहे थे वहां दर्शकों में से यह टिप्पणी की गई। रिपोर्ट के मुताबिक, एक और वाक्ये में, जब मैच चल रहा था तब भारतीय स्टाफ बुमराह के पीछे बाउंड्री के

बाहर खड़ा था और उनसे बात भी कर रहा था।

टोक्यो ओलंपिक समय पर होगा : आईओसी उपाध्यक्ष

बीजिंग। अंतराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के उपाध्यक्ष यू जियाक्किंग ने कहा है कि कोरोना सम्बंधी चुनौतियों के बावजूद आईओसी के साथ-साथ मेजबान जापान टोक्यो ओलंपिक के जुलाई-अगस्त में आयोजन को लेकर कृतसंकल्प है। जियाक्किंग का यह बयान आईओसी के सबसे दीर्घकालीन सदस्य डिक पाउंड के उस बयान के बाद आया है, जिनमें उन्होंने बीबीसी से कहा था कि मौजूदा हालात को देखते हुए टोक्यो ओलंपिक के आयोजन पर संदेह है। पाउंड के इस बयान पर टोक्यो 2020 के आयोजकों ने कहा कि वे हरसम्भव एहतियात बररते हुए खिलाड़ियों एवं अधिकारियों की सुरक्षा का पूरा ध्यान रखते हुए 23 जुलाई से 8 अगस्त तक ओलंपिक के आयोजन की तैयारी कर रहे हैं। जापान के प्रधानमंत्री योशीहिदे सुगा ने बीते दिनों कहा था कि उनका देश टोक्यो ओलंपिक खेलों की मेजबानी करने के लिए वह दृढ़ हैं, हालांकि देश में कोविड-19 महामारी की स्थिति बिगड़ रही है। सुगा ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि टोक्यो ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों के लिए वह दृढ़ संकल्प के साथ तैयारी करेंगे। उन्होंने साथ ही कहा कि वायरस के खिलाफ वह हर संभव उपाय करेंगे और पूरी दुनिया को आशा और साहस प्रदान करेंगे। टोक्यो ओलंपिक खेलों का आयोजन बीते साल जुलाई-अगस्त में होना थ, लेकिन विश्वव्यापी कोरोना वायरस महामारी के कारण इसे 2021 तक के लिए स्थगित कर दिया गया था।

आईएसएल-7 : सावधानी के साथ ब्लास्टर्स से भिड़ना चाहेगा जमशेदपुर

वॉस्को (गोवा)।

हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के सातवें सीजन के मध्य में पहुंचे जमशेदपुर एफसी का रविवार को तिलक मैदान पर केरला ब्लास्टर्स से सामना होगा। ऐसे में ओवन कोयले की टीम संयम और सावधानी के साथ इस मैच के लिए मैदान पर उतरेगी। जमशेदपुर एफसी आईएसएल टेबल में 13 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर है। उसने अब तक नौ मैच खेले हैं और ब्लास्टर्स के खिलाफ मिली जीत उसे तीसरे स्थान पर पहुंचा देगी। अब तक इस टीम ने सिर्फ दो मैच हारे हैं। इसमें कोई शक नहीं कि प्लेऑफ के दावेदार माने जा रहे बेंगलुरू एफसी खिलाफ मिली 1-0 की जीत ने उसका मनोबल बढ़ाया है लेकिन कोयले अब एक चीज सुनिश्चित करना चाहेंगे और वह यह है कि उनके खिलाड़ी अतिआत्मविश्वास में ना बह जाएं। इस अहम मैच से पहले कोयले ने कहा, जब आप जीतते हैं तो आपका मनोबल ऊंचा रहता है लेकिन हार के बाद उतना ही गिर जाता है। जैसे हमारे साथ गोवा के खिलाफ हार से हुआ था। हमने एक दूसरे के हौसले को बढ़ाया है और एक दूसरे के चेहते पर खुशी देखी है। हमारे क्लब में यह एक क्वालिटी है। हम जब जीतते हैं तो ज्यादा नहीं खुश होते और जब हारते हैं तो ज्यादा दुखी नहीं होते। हम संतुलन बनाए रखने का प्रयास करते हैं और सुधार के तरीकों की खोज में रहते हैं। ब्लास्टर्स बीते कुछ मैचों से संघर्ष कर रहा है और ऐसे में जमशेदपुर हल हाल में तीन अंक अपनी झोलनी में डालना चाहेगी। ओडिशा ने पिछले मैच में ब्लास्टर्स को बुरी तरह हराया था और कोयले ने वह मैच काफी गम्भीरता से देखा था। ब्लास्टर्स के कोच विकुना मानते हैं कि उनकी टीम अब भी प्लेऑफ दी दौड़ में है। विकुना की टीम ने अटैकिंग और पजेशन बेस्ड ब्रांड का फुटबाल खेलने का प्रयास किया है। मोहन बागान के साथ विकुना ने इसी मंत्र के साथ सफलता हासिल की थी। आईएसएल में उनकी टीम को इस मंत्र के आधार पर सफलता नहीं मिलती दिख रही है क्योंकि उसके कई खिलाड़ी चोटिल रह हैं। इस टीम को अब तक सिर्फ एक जीत मिली है। हालांकि विकुना ने यह मानने से इंकार किया है कि उनकी फुटबाल शैली के कारण ब्लास्टर्स को हार मिली रही है। विकुना ने कहा, यह स्टाइल का सवाल नहीं है। मोहन बागान अलग टीम थी। खिलाड़ी अलग थे। हमने इस सीजन में नई शुरुआत की है। हम वैसे ही खेल रहे हैं जैसा कि सीजन की शुरुआत में खेले थे। इसलिए स्टाइल को लेकर संदेह करने की जरूरत नहीं। यह तो हम हर मैच मेंबदल रहे हैं। हम अपनी स्टाइल के साथ-साथ दूसरी टीमों की स्टाइल को भी ध्यान मे रखते हुए खेल में परिवर्तन कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

सुदेवा दिल्ली को आई-लीग के अपने पहले मैच में मिली हार

कोलकाता। आई-लीग में अपना पदार्पण कर रही सुदेवा दिल्ली एफसी को शनिवार को सीजन के अपने पहले मैच में हार का सामना करना पड़ा। यहां साल्ट लेक स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में मोहम्मडन स्पोर्टिंग क्लब ने सुदेवा दिल्ली को 1-0 से मात दी। मोहम्मडन स्पोर्टिंग क्लब के लिए अली फैजल ने 58वें मिनट में एकमात्र गोल किया। सुदेवा दिल्ली एफसी आई-लीग में भाग लेने वाला राष्ट्रीय राजधानी का पहला क्लब है। टीम ने पहले हाफ में अच्छी शुरूआत की और मोहम्मडन को बढ़त लेने से रोके रखा। सुदेवा के लिए कीन लुइस ने सातवें मिनट में एक हमला किया, लेकिन मोहम्मडन के गोलकीपर मोहम्मद रफीक अली सरदार ने इसे विफल कर दिया। इसके बाद मोहम्मडन के राफेल भी 17वें मिनट में टीम का खाता खोलने से चूक गए और दोनों टीमें पहले हाफ में गोलरहित थी। दूसरे हाफ में मोहम्मडन एससी ने 58वें मिनट में गोल करके अपना खाता खोल लिया। टीम के लिए यह गोल अली फैजल ने किया। सुदेवा दिल्ली एफसी ने इसके बाद गोल करने के कुछ मौके बनाए, लेकिन टीम बराबरी का गोल नहीं दाग पाई और उसे हार का सामना करना पड़ा।

एआईएफएफ ने रेफरी का फैसला बदला, फाक्स को दिखाया गया रेड कार्ड वापस

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआईएफएफ) की अनुशासनात्मक समिति ने एफसी गोवा के खिलाफ खेले गए आईएसएल के सातवें सीजन के 49वें मैच में ईस्ट बंगाल के डिफेंडर डेनियल फॉक्स के रेडकार्ड दिखाने के फैसले को बदल दिया है। दोनों टीमों के बीच यह मैच 1-1 से ड्रॉ रहा था।एआईएफएफ के इस फैसले के बाद फॉक्स अब शनिवार को बेंगलुरू एफसी के खिलाफ होने वाले मैच के लिए उपलब्ध होंगे। एआईएफएफ ने एक बयान में कहा कि समिति ने क्लब की इस फैसले के खिलाफ अपील पर इसकी वीडियो क्लिपिंग्स की समीक्षा की और अब समिति इस बात से संतुष्ट है कि फॉक्स ने जानबूझकर गंभीर गलती या हिंसक व्यवहार नहीं किया था। खेल पंचाट चार्टर के अनुसार मैदानी रैफरी के फैसलों की आमतौर पर तब तक समीक्षा नहीं की जाती जब तक कि पुख्ता सबूत न हो कि इस फैसले में कोई दुर्भावना, लापरवाही, मनमानी की गई हो। इसलिए समिति ने खेल भावना के तहत फॉक्स को रेडकार्ड दिखाने के इस फैसले को बदलने का फैसला किया। मैच के 56वें मिनट में कोलकाता के क्लब ईस्ट बंगाल के कप्तान डेनियल फॉक्स को रेडकार्ड दिखाया गया था। फॉक्स को एलेक्सजेंडर जेसुराज के साथ उलझने के कारण रेडकार्ड मिला था और इसके बावजूद ईस्ट बंगाल ने 10 खिलाड़ियों के साथ खेलते हुए गोवा को ड्रॉ पर रोका था।

निचले क्रम का योगदान न देना चिंता का विषय : पुजारा

सिडनी।

भारतीय टीम के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने कहा है कि बल्लेबाजी में निचले क्रम का योगदान न देना टीम के लिए चिंता का विषय है। भारतीय टीम यहां सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) में आस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन शनिवार को अपनी पहली पारी में 244 रनों पर ही सिमट गई। एक समय टीम का स्कोर 195 रनों पर पांच विकेट था और वह अच्छे स्कोर की तरफ जाती लग रही थी, लेकिन 49 रनों के भीतर उसने अपने छह विकेट खो दिए जिसके कारण वह बड़ा स्कोर नहीं कर पाई। वेबसाइट क्रिकबज ने पुजारा के हवाले से लिखा है, जब आप विदेश में खेलते हैं तो यह आसान नहीं होता है। आपके निचले मध्य क्रम को भी अच्छी बल्लेबाजी करनी चाहिए। हां, आप कई बार विकेट खो देते हैं। जब टीमें भारत आती हैं और जब वह अनुभवी नहीं होते हैं तो वह भी जल्दी विकेट खोते हैं। इस चीज पर हमें ध्यान देना है। मुझे पूरा भरोसा है कि इस बारे में बात होगी। उन्होंने कहा, हमारी चिंता है कि हम एक बार जब अपने छह विकेट खो देते हैं तो इसके बाद हम फिर जल्दी विकेट खोने लगते हैं। निचले क्रम को बल्लेबाजी करनी होगी और खिलाड़ी प्रयास भी कर रहे हैं। अगर आप देखें कि बुमराह किस तरह से बल्लेबाजी कर रहे हैं तो पता चलेगा कि वह सुधार कर रहे हैं। गेंदबाज भी कोशिश कर रहे हैं। कई बार यह आसान नहीं होता। जब आपका दिन नहीं होता तो आपको यह मानना चाहिए। उन्होंने कहा, एक बल्लेबाजी ईकाई के तौर पर, हम इससे पार पा सकते हैं। हम टुकड़ों में अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं लेकिन यह संयुक्त प्रदर्शन की बात है। एक बल्लेबाजी ईकाई के तौर पर हमारे अंदर आत्मविश्वास है लेकिन

आपको आस्ट्रेलियाई गेंदाबाजों को श्रेय देना होगा।

आस्ट्रेलिया ने पुजारा के खिलाफ खोजा सफलता का मंत्र

सिडनी।

आस्ट्रेलियाई गेंदबाज मौजूदा टेस्ट सीरीज में भारतीय बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा के धैर्य की परीक्षा ले रहे हैं। तेज गेंदबाज पैट कमिंस ने खुलासा किया है कि उन्होंने पुजारा को विचलित और निराश करने की योजना बनाई है। कमिंस ने तीसरे टेस्ट की पहली पारी में भारत के खिलाफ 29 रन देकर चार विकेट लिए थे और इसमें पुजारा का भी विकेट शामिल है। पुजारा ने पिछली बार 2018-19 में 74.5 की औसत से 521 रन बनाए थे और मैन आफ द सीरीज रहे थे। लेकिन इस बार अब तक पांच पारियों में उन्होंने केवल 113 रन बनाए हैं और इसमें उनका 22.6 का औसत है। कमिंस ने तीसरे दिन की खेल समाप्ति के बाद कहा, आपको पता है कि यह थोड़ा मुश्किल होने जा रहा है, इसलिए आप जितना स्कोरबोर्ड पर नियंत्रण रखना चाहते हैं, रखते हैं। अगर हम अच्छी गेंदबाजी करना जारी रखते हैं तो हम ज्यादा दूर नहीं है। उन्होंने कहा, हमने सीरीज के लिए योजना बनाई थी कि उनके लिए रन बनाना जितना संभव हो उतना मुश्किल करेंगे। वह 200 गेंद खेले या 300 गेंद, हम उन्हें अच्छी गेंद डालकर चुनौती पेश करेंगे। किस्मत से यह योजना अब तक सफल रही है। कमिंस ने कहा, आज मुझे पिच से थोड़ी मदद मिली। लेकिन आपको पता है कि वह (पुजारा) ऐसा खिलाड़ी है जिसे आपको बहुत अधिक गेंदबाजी करनी होगी। तेज गेंदबाज ने कहा, दिन के खेल के शुरू होते समय मैंने सोचा था कि हम गेंदबाजी करते हुए दिन को खत्म करेंगे। लगभग 200 रन की बढ़त और आठ विकेट बचे होने से हम अच्छी स्थिति में है।

एआईसीएफ का चेन्नई, दिल्ली ऑफिस अल्टरनेट दिन खुलेगा

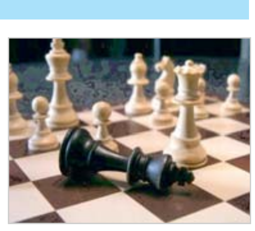

चेन्नई। अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) ने कहा है कि कोविड-19 के कारण उसके दिल्ली और चेन्नई के ऑफिस एक दिन छोड़कर खुला करेंगे। एआईसीएफ ने बेशक कोविड को इसका कारण बताया हो लेकिन यह साफ है कि चुनावों के बाद महासंघ में दक्षिण भारत, खासकर तमिलनाडु का दबदबा खत्म सा हो गया है और उत्तर भारत की ताकत बढ़ गई है। महासंघ के अहम पद अध्यक्ष, सचिव और कोषाध्यक्ष के पदों पर संजय कूपर, भरत सिंह चौहान और नरेश शर्मा ने जीत हासिल की है। यह सभी उत्तर भारत के राज्य उत्तर प्रदेश, दिल्ली और हरियाणा से आते हैं। एआईसीएफ के मुताबिक, चेन्नई का ऑफिस जो मुख्यालय भी है, वो सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को खुलेगा जबकि दिल्ली का ऑफिस मंगलवार, गुरुवार और शानिवार को खुलेगा। रविवार के दिन छुट्टी रहेगी। एआईसीएफ ने कहा है कि यह व्यवस्था अगली नोटिस तक जारी रहेगी।

आईएसएल-7 : चेन्नइयन के खिलाफ ओडिशा की नजरें जीत का क्रम जारी रखने पर

बोम्बोलिम (गोवा)।

दो बार की पूर्व चैम्पियन चेन्नइयन एफसी के लिए हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के सातवें सीजन में चीजें अच्छी नहीं रही है। पिछले आठ मैचों में उसे केवल एक ही जीत मिली है और कप्तान राफेल क्रिवेलारो सीजन से बाहर हो चुके हैं। कोच कसाबा लाजलो नए सिरे से वापसी करने के इच्छुक है। चेन्नइयन को अब रविवार को बाम्बोलिम में जीएमसी स्टेडियम में ओडिशा एफसी का सामना करना है, जिसने पिछले ही मैच में सीजन की अपनी पहली जीत दर्ज की है। हालांकि हैदराबाद के खिलाफ सीजन का उसका सबसे खराब प्रदर्शन था, जहां उसे 1-4 से करारी हार झेलनी पड़ी थी। हैदराबाद के खिलाफ चार गोल खाने के अलावा उसे शुरूआती चार मैचों में भी चार गोल खाना पड़ा था। टीम ने अब तक केवल आठ ही गोल किए हैं, जोकि लीग में सबसे कम है। लाजला ने कहा, मुझे लगता है कि पिछले मैच में हमारा प्रदर्शन खराब था। मैं इससे दूर नहीं होना चाहता क्योंकि हमने बहुत सारी गलतियां की हैं। मुझे लगता है कि इस मैच के बाद मेरी टीम में हर किसी को इसके बारे में सोचना होगा। पहले मिनट से आखिरी तक, हम वास्तव में खेल में नहीं थे। हमें बदलना होगा, हमें गलतियों का विश्लेषण करना होगा और हमें उस स्थान पर वापस जाना होगा जहां हम पहले थे। चेन्नइयन के विदेशी खिलाड़ियों ने अब तक केवल तीन ही गोल किए हैं, जोकि किसी भी विदेशी दल का सबसे कम है। लाजलो को उम्मीद है कि ओडिशा के खिलाफ वे इसमें सुधार करेंगे। ओडिशा के कोच स्टुअर्ट बॉक्सटर को उम्मीद है कि केरला के खिलाफ मिली जीत के बाद वे आगे भी इसे जारी रखेंगे। वे अभी भी तालिका में सबसे नीचे हैं, लेकिन चेन्नइयन के खिलाफ जीत से वे अपने पतिद्वंद्वी से दो अंक आगे हो जाएंगे। बॉक्सटर ने कहा, उस तीन अंक के लिए यह महत्वपूर्ण है कि हमें अपने खिलाड़ियों को विश्वास और आत्मविश्वास देने के लिए आवश्यकता है। खिलाड़ियों ने अपने आत्मविश्वास को बनाए रखने में शानदार प्रदर्शन किया और नतीजों के बावजूद हमारा विश्वास कभी कम नहीं हुआ है। लेकिन, हमें इस बात की जरूरत है कि लय हासिल की जाए और अब उम्मीद है कि हम आगे बढ़ सकते हैं।

फिट हुए बोपन्ना, अब एक समय में एक ही टूर्नामेंट पर ध्यान देंगे

नई दिल्ली।

कोविड-19 महामारी के दौर में भी सर्वश्रेष्ठ भारतीय टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना शांत नहीं बैठे थे। एटीपी का नया सीजन मंगलवार को खत्म हो गया है और डेलरे बीच, यूएसए और एंटाल्या, तुर्की में आयोजनों के साथ, पुरुषों की शीर्ष टेनिस संस्था एटीपी ने केवल पहली तिमाही के लिए कैलेंडर जारी किया है। इसका मतलब है कि खिलाड़ी जुलाई में टोक्यो ओलंपिक तक होने वाले आयोजनों की योजना नहीं बना सकते, लेकिन दो दशक के पेशेवर अनुभव वाले 40 वर्षीय बोपन्ना नींद लेकर समय खराब नहीं करना चाहते। बोपन्ना ने ओलंपिक चैनल से कहा, मैं इसे ओलंपिक वर्ष के रूप में नहीं देख रहा हूं, क्योंकि हम यह भी नहीं जानते हैं कि ऐसा होने वाला है या नहीं। अभी यह वक्त हमारी व्यक्तिगत रैंकिंग पर ध्यान केंद्रित करने का है। यह क्वालीफाई करने का एकमात्र तरीका है। बोपन्ना 39वें और दिविज शरण 63वें स्थान पर रहने वाले एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हैं जो वर्तमान में युगल में शीर्ष-100 में शामिल है। यह उनकी संयुक्त रैंकिंग के साथ एक टीम के रूप में क्वालीफाई करना बाकी है, लेकिन उनके पास सात जुलाई, 2021 तक टोक्यो के लिए एक स्थान पक्का करने का मौका है। आईटीएफ के नियमों के अनुसार, शीर्ष 10 युगल खिलाड़ी 32-टीम इवेंट के लिए अपने आप क्वालीफाई कर लेंगे और उनके पास साथी का विकल्प भी होगा (300 से नीचे रैंक नहीं हो)। मेजबान के लिए एक टीम का स्थान आरक्षित होने के साथ, बाकी टीमों के पास प्रतिस्पर्धा करने के लिए 21 स्थान निर्धारित है। भारतीय खिलाड़ी 31 जनवरी से शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलियन ओपन इवेंट्स में से एक में मेलबर्न में 2021 के अभियान की शुरुआत करेंगे। वो मेलबोर्न मेजर सहित साल के पहले दो इवेंट के लिए जोआओ सोसा के साथ खेलेंगे।

इस स्टार किड्स के साथ शादी करना चाहती है नोरा फतेही! कहा- कर रही हूं इंतजार

एक्ट्रेस नोरा फतेही ने अपने सेक्सी डांस मूव्स से बहुत कम समय में काफी ज्यादा लोकप्रियता हासिल कर ली। अच्छे डांस के साथ-साथ उन्हें फिल्मों में भी रोल ऑफर होने लगे। बाटला हाउस, स्ट्रीट डांसर जैसी फिल्मों में एक्ट्रेस नोरा फतेही ने अभिनय किया है। सोशल मीडिया पर भी उनकी फैन फॉलोइंग काफी अच्छी है।

हाल ही में उनका सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरस हो रहा है जिसमें वो अपनी शादी को लेकर बड़ा बयान देती नजर आ रही है। नोरा ने अपनी शादी के बारे में बात करते हुए कहा कि वह तैमूर अली खान के साथ शादी करना चाहती है। जिस पर करीना कपूर खान ने भी अपना रिएक्शन दिया है।

करीना कपूर का चिट चैट शो 'वॉट वुमन वान्ट' काफी ज्यादा लोकप्रिय है। इस शो में बॉलीवुड के सितारे आते हैं और करीना उनके साथ बातें करती हैं। ऐसे में ऐसी कई बाते सामने आती है जो सितारों के बारे में कोई नहीं जानता। वह कई ऐसे किस्से और काहानियां भी शेयर करते हैं जो सुर्खियां बन जाती है। हाल ही में करीना कपूर के चैट शो में नोरा फतेही ने भी ऐसी ही इच्छा जाहिर की करीना ने जब उनसे शादी के बारे में बात की तो उन्होंने कहा कि वह तैमूर अली खान से शादी करना चाहती है। क्योंकि वह तैमूर को काफा पसंद करती है। वह तैमूर के बड़े होने का इंतजार कर रही हैं। इस जवाब से करीना तेजी से हंसने लगी और कहा कि तैमूर अभी बस चार साल का हैं। इसके बाद शो में कई अन्य मुद्दों पर भी चर्चा हुई लेकिन ये ये क्लिप सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही हैं।

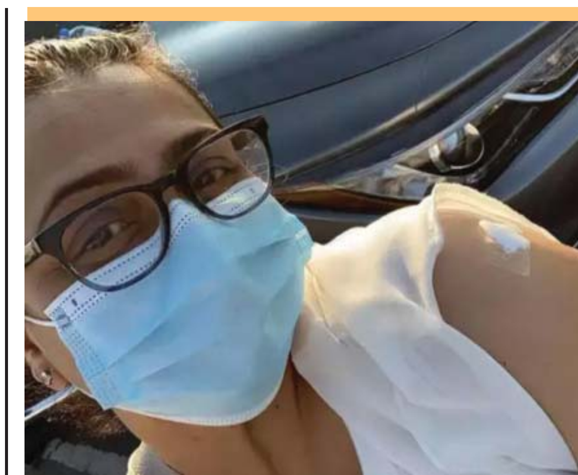

कोरोना वैक्सीन लगवाने वालीं पहली एक्ट्रेस बनीं शिल्पा शिरोडकर

अभिनेत्री शिल्पा शिरोडकर कोरोनावायरस के खिलाफ टीकाकरण लगवाने वाली पहली बॉलीवुड सेलिब्रिटी बन गई हैं। उन्होंने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक तस्वीर शेयर करके ये जानकारी दी। शिल्पा ने साझा किया कि वह वर्तमान में दुबई में है और वहां उन्हें टीका लगाया गया। तस्वीर में वह अपने चेहरे पर मास्क पहने हुए देखी जा सकती है और उसकी बांह पर एक छोटी सी पट्टी बंधी हुई है। ये वो पट्टी है जो टीकाकरण के बाद खून रोकने के लिए लगाई जाती है।

इसे भी पढ़ें- बिग बॉस के बाद काफी बदल गयी रश्मि देसाई, देखें एक्ट्रेस की ताजा बोल्ड तस्वीरें

47 वर्षीय अभिनेत्री ने दुबई, यूएई से खुद की तस्वीर के साथ बड़ी खबर साझा करने के लिए अपने इंस्टाग्राम का सहारा लिया और लिखा, 'टीकाकरण और सुरक्षित !!' शिल्पा, जो पूर्व अभिनेत्री और महेश बाबू की पत्नी, नम्रता शिरोडकर की बहन हैं, ने 1989 में मिथुन चक्रवर्ती और रेखा की सह-अभिनीत फिल्म भ्रष्टाचार के साथ अपनी बॉलीवुड यात्रा की शुरुआत की। वह 90 के दशक में लोकप्रिय चेहरों में से एक थीं, आंखें', 'कन्हैया', 'योधा','हम', 'गोपी किशन ', ये दिल ही तो है' सहित कई हिट फिल्में दी।

काम के मोर्चे पर, अभिनेत्री को आखिरी बार फिल्म निर्माता शेखर सूरी द्वारा बनारस के 'गन्स ऑफ बनारस' में देखा गया था, जिसे 2014 में शूट किया गया था और इसे 2020 में रिलीज़ किया गया था। यह फिल्म बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता विनोद खन्ना की आखिरी उपस्थिति को भी दर्शाती है, जिन्होंने 2017 में अंतिम सांस ली थी।

क्या फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' के कारण खराब हुआ करण जौहर और रणबीर कपूर का रिश्ता

2018 में फिल्म संजू की रिलीज के बाद से बॉलीवुड अभिनेता रणबीर कपूर की कोई भी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर रिलीज नहीं हुई है। यहां तक की रणबीर कपूर ने कोई फिल्म करने का भी ऐलान नहीं किया था। ऐसे में यह भी अफवाह थी कि रणबीर कपूर अपनी निजी लाइफ में इतना व्यस्त है कि वह फिल्में नहीं कर रहे हैं। आर्यन मुखर्जी की फिल्म बिग बजट फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' को संजू से पहले साइन किया गया था, जो अभी तक रिलीज नहीं हुई है। फिल्म की शूटिंग लगातार कुछ न कुछ कारण टलती रही और फिल्म का बजट बढ़ता रहा। फिल्म का निर्माण करण जौहर कर रहे हैं।

ताजा खबरों की मानें तो एक वेब साइट ने अपनी खबर में ये दावा किया है कि फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' के पैचवर्क के लिए रणबीर कपूर ने करण जौहर से एक्स्ट्रा फीस की मांग की है। अब ये खबरें कितनी सही है इसके बारे में बताते हैं।

रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की साथ में पहली फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' 2019 में रिलीज होने वाली थी लेकिन शूटिंग पूरी नहीं हुई। फिर फिल्म को 2020 में रिलीज करने की योजना बनाई गयी लेकिन लॉकडाउन के कारण फिर फिल्म का काम रुक गया। फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' अब 2021 में रिलीज होगी। फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है लेकिन अभी भी कुछ पैचवर्क बाकी है। इस पैचवर्क के लिए माना जा रहा है कि रणबीर और पैसे मांग रहे हैं, इस दावे का खंडन करते हुए एक बॉलीवुड वेबसाइट ने लिखा है कि पैचवर्क के लिए रणबीर कपूर ने किसी तरह की अलग से कोई फीस नहीं मांगी है। रणबीर कपूर एक हाई पैड एक्टर हैं उसपर अलग से फीस का कोई मुद्दा ही नहीं हैं।

सूत्रों ने बताया की करण जौहर और रणबीर कपूर के परिवार के रिश्ते परिवार की तरह हैं। ऐसे में अलग के पैचवर्क जैसी फीस लेने का कोई सवाल ही नहीं उठता।

ऑनलाइन ट्रोल्र्स से ऐसे निपटती हैं अनन्या पांडे, मां भावना ने किया खुलासा

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे को कई बार साइबर बुलिंग का सामना करना पड़ा है, लेकिन वह बहुत सकारात्मक इंसान हैं और अपने खिलाफ कही गई बातों से निराश नहीं होती हैं। उनकी मां भावना पांडे ने खुद को एक प्रोटेक्टिव मां बताते हुए अपनी बेटी के बारे में ये बातें बताई हैं।

भावना ने एक इंटरव्यू के दौरान बताया, हां, मैं उसकी रक्षा करती हूं, जिस तरह हर मां अपने बच्चे की करती है। पब्लिक डोमेन में होने के कारण उसे लेकर लोग कई तरह के जजमेंट भी देते हैं। भावना ने कहा कि शुरू में वह अपनी बेटी के बारे में किए गए कमेंट्स को पढ़कर परेशान हो जाती थीं।

उन्होंने कहा, शुरुआत में मैं हर कमेंट पढ़ती थी और बहुत परेशान हो जाती थी, फिर जैसे-जैसे समय बीता, मुझे उस सब की आदत हो गई है। मुझे लगता है कि अनन्या अपने पिता की तरह बहुत सकारात्मक है। वह खुश रहती हैं और ज्यादातर चीजों को दिल पर नहीं लेती है।

अनन्या ने कहा, वह इसलिए उदास नहीं हो जाती है कि किसी ने उसके बारे में कुछ कहा है। लिहाजा माहौल आमतौर पर खुशनुमा और अच्छा होता है।

भावना को हाल ही में 'द फैबुलस लाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स' शो में देखा गया था। पहले वे एक मां के तौर पर बहुत आहत और क्रोधित होती थीं लेकिन अब वो समझती हैं कि पब्लिक फिगर होने पर ऐसा होता है।

उन्होंने कहा, यदि कोई रचनात्मक आलोचना कर रहा है तो अच्छी बात है। क्योंकि लोग टिकट लेकर आपका काम देखने के लिए जा रहे हैं और ऐसे में उनका राय देना बनता है। लेकिन आपके कलर, लुक्स और बेवजह की चीजों पर बात करना फिजूल है। ऐसा करने की जरूरत नहीं है।

वर्क फंट की बात करें तो अनन्या जल्द ही दीपिका पादुकोण और सिद्धार्थ चतुर्वेदी के साथ शकुन बत्रा की अनटाइटल्ड फिल्म में स्क्रीन शेयर करती हुई नजर आएंगी। इसके अलावा, अनन्या फिल्म निर्माता पुरी जगन्नाथ की पैन इंडिया फिल्म 'फाइटर' में साउथ स्टार विजय देवरकोंडा के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करती हुई दिखाई देंगी।

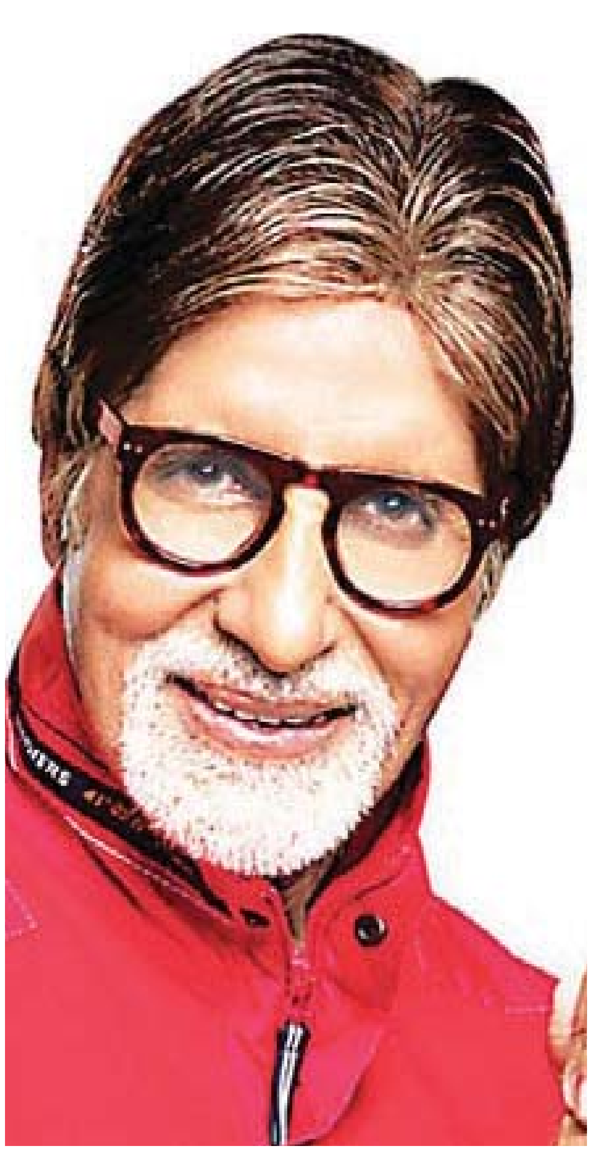

अमिताभ बच्चन के ट्विटर पर हुए 4.5 करोड़ फॉलोअर्स

मेगास्टार अमिताभ बच्चन के ट्विटर फॉलोअर की संख्या शनिवार को 4.5 करोड़ हो गई। 78 वर्षीय अभिनेता ट्विटर पर सक्रिय रहनेवाले बॉलीवुड कलाकारों में से एक हैं। बच्चन फेसबुक, इंस्टाग्राम समेत अन्य सोशल मीडिया साइट पर मौजूद हैं। वहीं टम्लबर पर उनका एक निजी ब्लॉग भी है। ट्विटर पर बच्चन ने अपने एक प्रशंसक का शुक्रिया अदा किया, जिसने उनकी एक पुरानी तस्वीर पोस्ट की है, जिसमें युवा बच्चन अपने पिता व कवि हरिवंश राय बच्चन का आशीर्वाद ले रहे हैं। इस तस्वीर पर बच्चन के प्रशंसक ने लिखा, '' 4.5 करोड़ की शुरुआत पूज्य मां और पूज्य बाबूजी के आशीर्वाद से हुआ।''

इस तस्वीर से जुड़ी यादों का जिक्र करते हुए बच्चन ने लिखा, '' यह तस्वीर काफी कुछ कहती हैज्यह ऐसा क्षण था जब मैं 'कुली' की घटना के बाद मौत के मुंह से निकलकर घर लौटा था। पहली बार मैंने अपने पिता को रोते देखा था। अभिषेक भी चिंतित नजर आ रहा था।'' मनमोहन देसाई की फिल्म 'कुली' की बेंगलुरु में शूटिंग के दौरान अमिताभ बच्चन चोटिल हो गए थे। इसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती होना पड़ा था और ठीक होने में कई महीने लग गए थे। मेगास्टार इस घटना को पुनर्जन्म बताते हैं। अभिनेता को फेसबुक पर अभी 2.9 करोड़ और इंस्टाग्राम पर 2.45 करोड़ फॉलोअर हैं। मौजूदा समय में भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबसे ज्यादा 6.47 फॉलोअर हैं।

आज भी महिलाओं के लिए घरेलू हिंसा गंभीर मुद्दा है

टेलीविजन शो छोटी सरदारनी में रील रोल निभा रही बॉलीवुड अभिनेत्री निमरत कौर अहलूवालिया अपने अगले एपिसोड में घरेलू हिंसा से निपटती नजर आएंगी। अभिनेत्री का कहना है कि यह एक गंभीर मुद्दा है जिसका सामना आज भी महिलाएं करती हैं।

निमरत ने कहा, ''घरेलू हिंसा एक बहुत ही गंभीर मुद्दा है, जिसका सामना आज भी महिलाएं करती हैं। बतौर एक वकील के रूप मे मैं उन महिलाओं से मिली हूं, जो घरेलू हिंसा की शिकार हैं। मैं इस बात पर गर्व करती हूं कि हमारा शो इतने महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दे को उजागर कर रहा है।'' उन्होंने कहा, ''मुझे आशा है कि यह आरती जैसे कई अन्य पीड़ितों को आगे आने और हैशटैग रिस्पेट मैटर्स का स्टैंड लेने के लिए ह्रश्चोत्साहित करता है।''

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

इंडोनेशियाई विमान का उड़ान भरने के बाद संपर्क टूटा, 62 यात्री हैं सवार

जकार्ता। इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता से उड़ान भरने के बाद शनिवार को श्रीविजय एयर जेट यात्री विमान का संपर्क हवाई यातायात नियंत्रक से टूट गया। इस विमान में 62 यात्री सवार हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इंडोनेशिया के परिवहन मंत्रालय के प्रवक्ता अदिता इरावति ने कहा कि बोइंग 737-500 विमान ने दोपहर करीब 1:56 बजे जकार्ता से उड़ान भरी और करीब 2:40 बजे इसका संपर्क नियंत्रण टावर से टूट गया। उन्होंने एक बयान में कहा कि राष्ट्रीय खोज एवं बचाव एजेंसी और राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा समिति के साथ समन्वय स्थापित कर लापता विमान को लेकर जांच की जा रही है।

भारतीय मूल की अमेरिकी सबरीना सिंह व्हाइट हाउस की डिप्टी प्रेस सेक्रेटरी नामित

वाशिंगटन। भारतीय मूल की अमेरिकी नागरिक सबरीना सिंह अमेरिका की निर्वाचित उपराष्ट्रपति के लिए व्हाइट हाउस में उप्र प्रेस सचिव के रूप में अपनी सेवा देंगी। अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडन और निर्वाचित उप राष्ट्रपति कमला हैरिस के सत्ता हस्तांतरण दल ने यह घोषणा की। सिंह, बाइडन-हैरिस चुनाव प्रचार अभियान के दौरान कमला हैरिस की प्रेस सचिव थीं। इससे पूर्व वह माइक ब्लूमबर्ग और कौरी बुकर के राष्ट्रपति पद संबंधी अभियान के लिए क्रमशः वरिष्ठ प्रवक्ता और नेशनल प्रेस सचिव रह चुकी हैं। इसके अलावा वह कई अन्य महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवाएं दे चुकी हैं। सत्ता हस्तांतरण दल ने व्हाइट हाउस में उपराष्ट्रपति कार्यालय के लिए कई अहम नियुक्तियों की घोषणा के तहत उन्हें नामित किया।

बाइडन और हैरिस 20 जनवरी को क्रमशः राष्ट्रपति एवं उपराष्ट्रपति पदों की शपथ लेंगे। सिंह इंडिया लीग ऑफ अमेरिका के सरदार जे. जे. सिंह की पोती हैं। सन् 1940 के दशक में सरदार ने अपने साथी भारतीयों के साथ मिलकर अमेरिका की नस्लीय भेदभावकारी नीतियों के खिलाफ राष्ट्रव्यापी अभियान चलाया था। इसके बाद तत्कालीन राष्ट्रपति हैरी ट्रूमैन ने दो जुलाई, 1946 को लूस सेलर कानून बनाया था। इससे प्रति वर्ष अमेरिका में 100 भारतीयों को प्रवास की अनुमति मिली।

अमेरिकी संसद भवन में घुसकर हिंसा करने वालों को जो बाइडेन ने बताया 'घरेलू आतंकवादी'

वाशिंगटन। नव निर्वाचित अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा है कि कैपिटल बिल्डिंग (अमेरिकी संसद भवन) में घुसकर हिंसा करने वालों में कुछ ठगों, श्वेत लोगों को सर्वोच्च समझने वाले लोगों और घरेलू आतंकवादियों का एक झुंड था जिन पर मुकदमा चलना चाहिए। बाइडेन ने कहा कि इस पूरी घटना को संभालने में नाकाम रहने वाले अधिकारियों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए और सुनिश्चित होना चाहिए कि इसकी पुनरावृत्ति नहीं हो। उन्होंने डेलवेयर के विल्मिंगटन में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा, ''उन्हें कुछ अपराधियों, देशद्रोहियों, श्वेत लोगों को सर्वोपरि मानने वाले लोगों और यहूदी विरोधियों का एक झुंड माना जाना चाहिए। और इतना ही काफी नहीं है। ये लोग घरेलू आतंकवादी थे।''

बाइडेन ने कहा, ''और न्याय विभाग को ये आरोप दर्ज करने चाहिए।'' एक प्रश्न के उत्तर में नव निर्वाचित अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, ''उन पर मुकदमा चलना चाहिए।'' बाइडेन ने प्रदर्शनकारियों के साथ सेल्फी लेते कैपिटल पुलिस कर्मियों की कुछ तस्वीरें आने के मामले में भी जांच की मांग की है। उन्होंने रिपब्लिकन सीनेटर टेड क्रूज और कई अन्य सांसदों की भी निंदा की। बाइडेन ने कहा, ''मुझे लगता है कि अमेरिकी जनता के मन में साफ है कि ये लोग कौन हैं। वे बड़े झूठ का हिस्सा हैं।

भारतीय मूल के पूर्व ब्रिटिश मंत्री को दी गई जलवायु शिखर सम्मेलन की पूरी जिम्मेदारी

लंदन। भारतीय मूल के ब्रिटिश मंत्रियों में से एक आलोक शर्मा को ग्लासगो में होने वाले संयुक्त राष्ट्र के जलवायु शिखर सम्मेलन की पूरी जिम्मेदारी दी गई है। अपनी नई भूमिका पर ध्यान देने के लिए उन्होंने शुक्रवार को पीएम बोरिस जॉनसन की कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया।

जलवायु शिखर सम्मेलन में भारत समेत 200 देशों के प्रतिनिधि लेंगे हिस्सा

आगरा में पैदा हुए आलोक शर्मा अभी तक दोहरी भूमिका निभा रहे थे, लेकिन अब वह पूरी तरह शिखर सम्मेलन को सफल बनाने पर अपना ध्यान केंद्रित कर सकेंगे। इस सम्मेलन में भारत सहित 200 देशों के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे।

आलोक शर्मा ने कहा- आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ वातावरण तैयार करना है

आलोक शर्मा ने कहा, 'हमारे समय की सबसे बड़ी चुनौती जलवायु परिवर्तन है और हमें वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ वातावरण तैयार करने के लिए मिलकर काम करना होगा।'

ब्रिटेन की अध्यक्षता वाले नवंबर में होने वाले इस शिखर सम्मेलन के माध्यम से हमारे पास दुनियाभर के दोस्तों और भागीदारों के साथ मिलकर काम करने का एक अच्छा अवसर है। उन्होंने कहा, 'मुझे खुशी है कि प्रधानमंत्री ने जलवायु परिवर्तन जैसे जरूरी काम के लिए मुझे चुना है।'

वैज्ञानिकों ने जारी की कोरोना के अमेरिकी वैरिएंट की चेतावनी, 50 फीसद ज्यादा संक्रामक है यह स्ट्रेन, जानें दूसरे मुल्कों का हाल

वाशिंगटन (एजेंसी)

व्हाइट हाउस की कोरोना वायरस टास्क फोर्स ने अपनी नवीनतम रिपोर्ट में कहा है कि अमेरिका में कोरोना का अधिक संक्रमण वाला स्ट्रेन मौजूद हो सकता है। सीएनएन के मुताबिक टास्क फोर्स द्वारा तीन जनवरी को भेजी गई रिपोर्ट में कोरोना के अमेरिकी वैरिएंट के बारे में चेतावनी दी गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सर्दियों के दौरान जिस तेजी से संक्रमण के मामले समाने आए हैं वह वसंत और गर्मियों की तुलना में दोगुने से अधिक हैं।

अमेरिकी वैरिएंड पचास फीसद ज्यादा संक्रामक

संक्रमण में यह तेजी बताती है कि कोरोना का यूएसए वैरिएंट देश में मौजूद हो सकता है। विज्ञानियों ने इसके पचास फीसद अधिक संक्रामक होने की बात कही है। टास्क फोर्स ने कहा है कि फेस मास्क, शारीरिक दूरी और अधिक से अधिक टीकाकरण के जरिये हम इस पर काबू पा सकते हैं। उधर, अमेरिका की सबसे अधिक आबादी वाली लॉस एंजिलिस काउंटी में पिछले चौबीस घंटों के दौरान सर्वाधिक 318 लोगों की मौत हुई है।

नए वैरिएंट से दोबारा संक्रमित हुई ब्राजील की महिला

ब्राजील की एक महिला दुनिया की पहली ऐसी व्यक्ति बन गई है जो कोरोना वायरस के वैरिएंट ई484के से दोबारा संक्रमित हुई है। मई 2020 में पहली बार उसकी कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी और बाद में अक्टूबर 2020 में दोबारा वह इस वैरिएंट से प्रभावित दिखी। दोनों ही बाद उसमें गंभीर लक्षण दिखाई नहीं दिए। सबसे पहले यह वैरिएंट दक्षिण अफ्रीका में दिखाई दिया था, लेकिन दोबारा संक्रमण का यह दुनियाभर में पहला मामला है।

ब्राजील में 80 लाख से ज्यादा मामले

ब्राजील में कोरोना मरीजों की तादाद अस्सी लाख से ज्यादा हो गई है। पिछले चौबीस घंटों के दौरान वहां 52,035 कोरोना मरीज सामने आए हैं वहीं 962 लोगों की मौत हुई है। ब्राजील के उपराष्ट्रपति हैमिल्टन मउराओ को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। 27 दिसंबर को उनकी कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी।

चीन में संक्रमण के 33 नए मामले

चीन में संक्रमण के 33 नए मामले सामने आए हैं। 17 लोग जहां स्थानीय संक्रमण से प्रभावित हैं वहीं 16 लोग विदेश से आए हैं। स्थानीय संक्रमण से जो लोग प्रभावित हैं, उनमें से 14 लोग हेबई प्रांत के हैं जबकि तीन संक्रमित व्यक्ति लियोनिंग के रहने वाले हैं।

शिजियाजुआंग में सार्वजनिक परिवहन सेवा रद

स्थानीय संक्रमण के मामले सामने आने के बाद हेबई प्रांत की राजधानी शिजियाजुआंग में सार्वजनिक परिवहन सेवा को निलंबित कर दिया गया है। अब यहां रहने वाले सभी 1.1 करोड़ लोगों की कोरोना टेस्टिंग होगी। चूंकि यह शहर बीजिंग के बिल्कुल नजदीक है, इसलिए देश की राजधानी को अलर्ट मोड पर रखा गया है। उधर, चीन के अधिकारियों ने एलान किया है कि देश को लोगों को कोरोना टीका निश्शुल्क उपलब्ध कराया जाएगा।

सऊदी किंग ने ली वैक्सीन

सऊदी किंग सलमान बिन अब्दुलअजीज को शनिवार को फाइजर द्वारा बनाए गए कोरोना टीके की पहली डोज दी गई। बहरीन के बाद सऊदी अरब खाड़ी क्षेत्र का दूसरा ऐसा देश था जिसने कोरोना वैक्सीन को मंजूरी दी थी। बता दें कि क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान और उनके भाई प्रिंस खालिद बिन सलमान सहित कई अन्य सऊदी अधिकारी पहले ही वैक्सीन की पहली डोज ले चुके हैं।

एक नजर इन देशों पर

फ्रांस: कोरोना के बीस हजार नए मामले सामने आए हैं। 281 लोगों की मौत हुई है।

रूस: पिछले चौबीस घंटों के दौरान 23,652 कोरोना मरीजों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। जबकि 454 लोगों की मौत हुई है।

ईरान: कोरोना संक्रमण के 5,924 नए मामले सामने आए हैं। ईरान में 19 फरवरी को पहला संक्रमित मरीज मिला था।

जापान: कोरोना संक्रमण के 7,109 नए मामले सामने आए हैं। शनिवार को यहां 44 लोगों की मौत हुई है।

स्पेन: कोरोना संक्रमित मरीजों की तादाद 20 लाख से ज्यादा हो गई है। पांच से सात जनवरी के बीच देश में 245 लोगों की मौत हुई है और 42,160 लोग संक्रमित हुए हैं।

दक्षिण कोरिया: 641 नए मरीजों को पता चला है। लगातार दो दिन ऐसे रहे हैं जब संक्रमित मरीजों की तादाद 700 से कम रही है।

कहां से आया कोरोना वायरस? जांच के लिए डब्ल्यूएचओ की टीम को चीन ने अपने यहां आने की दी मंजूरी

बीजिंग। (एजेंसी)।

कोरोना वायरस की उत्पत्ति की जांच के लिए चीन तैयार हो गया है। चीन ने विश्व स्वास्थ्य संगठन की टीम को अपने यहां आने और जांच को मंजूरी दे दी है। कुछ दिनों बाद चीन ने टीम को आने से मना कर दिया था। एक वरिष्ठ चीनी अधिकारी ने शनिवार को कहा कि इसके लिए संयुक्त राष्ट्र की शीर्ष स्वास्थ्य एजेंसी के साथ आम सहमति बन गई है। हालांकि, चीन ने इस टीम की यात्रा के लिए कोई समयसीमा नहीं बताई है। चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग के उप प्रमुख जेंग यिक्सिन ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि डब्ल्यूएचओ की टीम के वुहान आने का समय तय नहीं किया गया है और इस पर अभी चर्चा जारी है।

चीन के सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स ने जेंग के हवाले बताया कि चीन और विश्व स्वास्थ्य संगठन अधिकारियों के बीच चार बार वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के बाद जांच की व्यवस्था पर सहमति बनी। सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने बताया कि जेंग यिक्सिन के हवाले से बताया कि डब्ल्यूएचओ के विशेषज्ञ जब अपनी प्रक्रियाओं को पूरा कर अपना शेड्यूल तय कर लेंगे तो चीनी विशेषज्ञ वुहान में उनके साथ जांच करने के लिए जाएंगे।

चीन पूरी तरह मदद करेगा

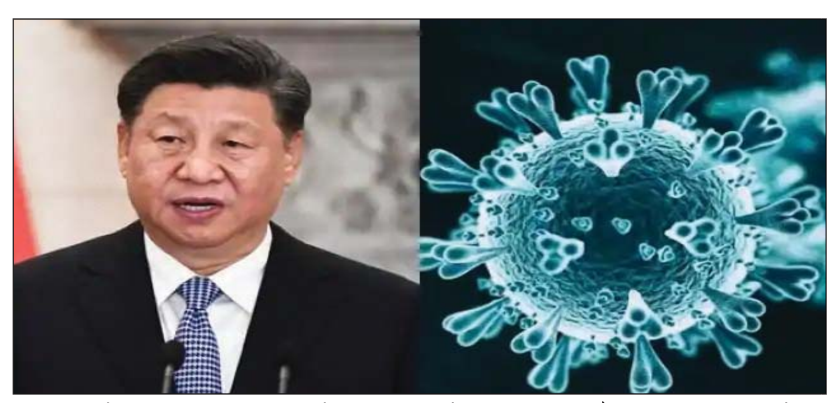

जेंग ने जोर देकर कहा कि डब्ल्यूएचओ की जांच के प्रति चीन की स्थिति सकारात्मक है और वो इसके लिए पूरी तरह मदद करेगा है। उन्होंने कहा कि देश को उम्मीद है कि इस तरह के संयुक्त प्रयासों से वायरस को और ज्यादा समझे में मदद मिलेगी और भविष्य में संक्रामक रोगों को बेहतर ढंग से रोका जा सकेगा।

टेड्रोस एडनोम ने नाराजगी जताई थी

इससे पहले चीन की तरफ से टीम को रोके जाने पर डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस एडनोम ने नाराजगी जताई थी। उन्होंने कहा था कि उन्होंने टीम को अनुमति देने के लिए चीन को फोन किया था। टेड्रोस ने कहा कि मैं इस खबर से बहुत निराश हूं। उन्होंने आगे कहा कि मैं वरिष्ठ चीनी अधिकारियों के संपर्क में हूं और मैंने एक बार फिर साफ कर दिया है कि ये मिशन डब्ल्यूएचओ और अंतर्राष्ट्रीय टीम के लिए प्राथमिकता है।

टेड्रोस को गलतफहमी हो सकती है

उधर टेड्रोस के बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता हुआ चुनयिंग ने कहा था कि इसे लेकर उन्हें कुछ गलतफहमी हो सकती है। हम डॉ टेड्रोस और डब्ल्यूएचओ को समझ सकते हैं, उन्होंने दोनों पक्षों को चर्चा कर तारीखों को अंतिम रूप देने के लिए कहा था।

अमेरिकी संसद हिंसा पर रिपब्लिकन नेता ने कहा - चुनाव बाद ट्रंप के आचरण की इतिहास में निर्मम व्याख्या होगी

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

भारतीय अमेरिकी रिपब्लिकन नेता निक्की हेली ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भाषण से उनके समर्थकों के कैपिटल (संसद भवन) पर हमला करने के लिए भड़कने का दावा करते हुए इसकी निंदा की कहा कि चुनाव बाद उनके आचरण की 'इतिहास में निर्मम व्याख्या होगी।'' हेली ने रिपब्लिकन राष्ट्रीय समिति की शुक्रवार को फ्लोरिडा में हुई एक बैठक में कहा, ''हम अपने अहम मतभेदों के बारे में चर्चा कर सकते हैं, और हमें ऐसा करना चाहिए, लेकिन हमें अमेरिकी जनता को एक दूसरे के खिलाफ खड़ा करना बंद करना चाहिए- और इस रिपब्लिकन पार्टी को इसमें नेतृत्व करना चाहिए।'' अमेरिका के कई मीडिया संस्थानों ने शुक्रवार के हेली के भाषण के अंशों को प्रकाशित किया है।

'पोलिटिको' ने सबसे पहले उनकी टिप्पणी प्रकाशित की थी। हेली ने कहा, ''राष्ट्रपति ट्रंप ने हर बार सही शब्दों का चयन नहीं किया। 'शारलोट्जविले' में उनकी बात गलत थी, और मैंने उनसे उस वक्त भी यह कहा था। कल भी उन्होंने गलत बात कही और ये महज शब्द नहीं हैं। चुनाव के दिन से उनके आचरण की इतिहास निर्मम व्याख्या

करेगा।'' उन्होंने कहा,'' हम इस बारे में दबे स्वर में बात कर सकते हैं, हम इस बारे में शिकायत कर सकते हैं, हम इसके लिए एक दूसरे को दोषी ठहरा सकते हैं या हम इस बारे में कुछ कर भी सकते हैं। अगर आप मुझसे पूछेंगे तो राजनीति में शिकायत करने जैसा कुछ नहीं होता।

नैंसी पेलोसी का बयान, कहा- ट्रंप ने तत्काल 'इस्तीफा' नहीं दिया तो लाया जाएगा महाभियोग

वाशिंगटन।। (एजेंसी)।

प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष नैंसी पेलोसी ने कहा कि अगर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भीड़ को कैपिटल इमारत में घुसने के लिए भड़काने के मामले में 'तत्काल' इस्तीफा नहीं देते हैं तो सदन उन्हें हटाने के लिए महाभियोग लाने संबंधी प्रक्रिया के साथ आगे बढ़ेगी। तीन नवंबर को आयोजित चुनाव में ट्रंप की हार के बाद जो बाइडन 20 जनवरी को राष्ट्रपति पद की शपथ लेंगे। पेलोसी और डेमोक्रेट नेता यह मानते हैं कि बुधवार को कैपिटल बिल्डिंग (संसद) में ट्रंप के समर्थकों के घुसने की घटना के बाद ट्रंप को तत्काल पद से हटाया जाना चाहिए।

पेलोसी ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, '' सदस्य उम्मीद करते हैं कि ट्रंप तत्काल इस्तीफा दे देंगे। लेकर अगर वह ऐसा नहीं करते हैं तो मैंने रूल्स कमेटी को निर्देश दिया है कि वे सांसद जेमी रस्किन

के 25वें संशोधन और महाभियोग के प्रस्ताव के साथ आगे बढ़ें।'' हाउस डेमोक्रेटिक कॉकस की इस मुद्दे पर घंटों चली बातचीत के बाद उन्होंने कहा, ''नियम के अनुसार सदन सभी विकल्पों को सुरक्षित रखेगा जिनमें 25वां संशोधन, महाभियोग का प्रस्ताव, महाभियोग के लिए विशेषाधिकार प्रस्ताव शामिल है।'' भारतीय-अमेरिकी सांसद प्रमिला जयपाल ने कहा कि महाभियोग प्रक्रिया तत्काल शुरू कर देनी चाहिए।

सांसद कइयालीई कहेले ने कहा कि वह ट्रंप को राष्ट्रपति पद से हटाने का पूरी तरह समर्थन करते हैं, चाहे वह 25 वां संशोधन के इस्तेमाल के जरिए हो या उनके खिलाफ महाभियोग का चौथा अनुच्छेद लाना हो। उन्होंने कहा कि ट्रंप के व्हाइट हाउस में बने रहने से अमेरिका को असुरक्षा है। विदेशी मामलों पर हाउस कमेटी के अध्यक्ष सांसद ग्रेगरी मीक्स ने कमेटी के डेमोक्रेटिक सांसदों द्वारा ट्रंप पर महाभियोग चलाने की मांग का नेतृत्व किया। पेलोसी को लिखे पत्र में सांसदों ने कहा है कि लोकतंत्र के मामले में अमेरिका की वैश्विक नेतृत्व की स्थिति और कानून के शासन को बहाल करने के लिए उन्हें जिम्मेदार ठहराया जाना बेहद जरूरी है।

तानाशाह किम ने दी और परमाणु हथियार बनाने की चेतावनी, अमेरिका है बड़ी वजह?

सियोल। (एजेंसी)।

उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने अपने परमाणु शस्त्रागार को बढ़ाने और अधिक उन्नत परमाणु हथियार प्रणालियों को विकसित करने की चेतावनी दी और कहा कि अमेरिका के साथ संबंध इस बात पर निर्भर करेगा कि अमेरिका अपनी शत्रुतापूर्ण नीतियां त्यागता है अथवा नहीं। सरकारी मीडिया ने शनिवार को यह जानकारी दी। उत्तर कोरिया के नेता किम की यह टिप्पणी सत्तारूढ़ पार्टी की एक महत्वपूर्ण बैठक के दौरान आई। उनकी यह टिप्पणी अमेरिका के नव निर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडेन के सत्ता संभालने से पहले आई है और इसे नए प्रशासन पर दबाव बनाने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है।

बाइडेन इस महीने की 20 तारीख को राष्ट्रपति पद की शपथ लेंगे। 'द कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' ने शनिवार को किम को उद्धत करते हुए कहा, ''उत्तर कोरिया और अमेरिका के बीच नए संबंध स्थापित करना इस बात पर निर्भर करता है कि वे (अमेरिका) अपनी शत्रुतापूर्ण नीतियों का त्याग करते हैं या नहीं।'' उन्होंने कहा कि वह अपने परमाणु हथियारों का तबतक इस्तेमाल नहीं करेंगे जबतक 'शत्रु ताकतें' उत्तर कोरिया के खिलाफ इन हथियारों का इस्तेमाल करने का इरादा नहीं रखती हों। साथ ही उन्होंने कहा कि उत्तर कोरिया पर अमेरिकी हमले के बढ़ते खतरे के मद्देनजर उत्तर कोरिया को अपनी सैन्य और परमाणु क्षमाताओं को मजबूत करना चाहिए। किम ने अधिकारियों को कई मुखास्त्र ले जाने में सक्षम मिसाइलें, पानी के भीतर वाली परमाणु मिसाइलें, जासूसी उपग्रहों और परमाणु संचालित पनडुब्बियां बनाने के आदेश दिए हैं।

पाकिस्तान: हिंदू मंदिर में तोड़फोड़ के मामले में मुख्य आरोपी गिरफ्तार

पेशावर। (एजेंसी)।

पाकिस्तान पुलिस ने शुक्रवार का दावा किया कि उसने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में हिंदू मंदिर में की गई तोड़फोड़ के मामले में मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। खैबर पख्तूनख्वा पुलिस के प्रमुख सनाउल्ला अब्बासी ने कहा कि आरोपी की पहचान फैजुल्ला के रूप में हुई है। उसे करक जिले से गिरफ्तार किया गया है। अब्बासी ने दावा किया कि उसी ने भीड़ को मंदिर पर हमला करने और वहां धार्मिक नेता की समाधि को नुकसान पहुंचाने के लिये उकसाया था। पुलिस प्रमुख ने कहा कि इस मामले में अब तक 110 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

कट्टरपंथी जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम पार्टी (फजलुर्रहमान समूह) के सदस्यों द्वारा पिछले सप्ताह खैबर पख्तूनख्वा के करक जिले के टेरी गांव में मंदिर पर हमला किये जाने की मानवाधिकार कार्यकर्ताओं और अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के नेताओं ने कड़ी निंदा की थी। हिंदू समुदाय के सदस्यों को मंदिर की दशकों पुरानी इमारत की मरम्मत की अनुमति मिलने के बाद भीड़ ने उसपर हमला कर दिया था। भीड़ ने नए निर्माण के साथ साथ पुराने ढांचे को भी तोड़ दिया था।

पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय ने एवैक्वी प्रॉपर्टी ट्रस्ट बोर्ड (ईपीटीबी) को क्षतिग्रस्त मंदिर के पुनर्निमाण का आदेश देते हुए निर्माण कार्य का पैसा हमलावरों वसूलने का निर्देश दिया था, जिनकी हरकतों की वजह से पाकिस्तान को दुनियाभर में शर्मिंदगी झेलनी पड़ी है। पाकिस्तान में हिंदू सबसे बड़ा अल्संख्यक समुदाय है।आधिकारिक अनुमान के अनुसार पाकिस्तान में 75 लाख हिंदू रहते हैं।

राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के बाद सबसे पहले यह कानून पेश करेंगे जो बाइडेन

वाशिंगटन।। (एजेंसी)।

अमेरिका के नव-निर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि वह पद संभालने के तत्काल बाद ट्रंप प्रशासन की नीतियों को पटलते हुए एक आव्रजन कानून लेकर आएंगे। बाइडन 20 जनवरी को अमेरिका के राष्ट्रपति पद की शपथ लेंगे। उन्होंने डेलावेयर के विलमिंगटन में पत्रकारों से कहा, मैं तत्काल आव्रजन कानून लेकर आऊंगा। इन्हें विचार-विमर्श के लिये उचित समितियों को भेजा गया है।'' बाइडन से पूछा गया था कि वह 20 जनवरी को पदभार संभालने के बाद सबसे पहले क्या काम करेंगे, जिसके जवाब में उन्होंने यह बात कही।

इससे पहले भी बाइडन ने वादा किया था कि वह पद संभालने के बाद 100 दिन के अंदर आव्रजन संबंधी प्रणाली में सुधार करेंगे। ट्रंप की आव्रजन नीतियों को पलटना बाइडन के मुख्य चुनावी वादों में से एक है। ट्रंप प्रशासन शुरू से ही सीमित आव्रजन पर काम करता रहा है। ट्रंप ने राष्ट्रपति बनते ही सात मुस्लिम-बहुल देशों पर यात्रा प्रतिबंध लगा दिया था। ट्रंप के कार्यकाल के अंत में भी ऐसा ही चलता रहा और व्हाइट हाउस ने कोरोना वायरस महामारी को ढाल बनाकर आव्रजन पर पाबंदी लगाने की बात कही थी। बाइडन ने कहा कि वह पर्यावरण के मुद्दों पर ट्रंप प्रशासन के आदेशों की भी समीक्षा करेंगे।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

स्व. माधवसिंह सोलंक को श्रद्धाजंलि

मुख्यमंत्री ने दी स्व. माधव सिंह सोलंकी को भावभीनी श्रद्धांजलि

क्रांति समय दैनिक

अहमदाबाद,मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने शनिवार को गांधीनगर में पूर्व मुख्यमंत्री स्व. माधव सिंह सोलंकी के पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर दिवंगत को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। राज्य मंत्रिमंडल की बैठक के बाद मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने दिवंगत नेता के निवास स्थान जाकर शोक संतप्त परिवारजनों को सांत्वना दी।

इससे पूर्व मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में भूतपूर्व मुख्यमंत्री स्व. माधव सिंह सोलंकी के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई

पूर्व मुख्यमंत्री स्व. माधव सिंह सोलंकी को राज्य मंत्रिमंडल की श्रद्धांजलि

अहमदाबाद,मुख्यमंत्री विजय रूपाणी की अध्यक्षता में शनिवार को हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री स्व. माधव सिंह सोलंकी के दु:खद निधन पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। मंत्रिमंडल के सदस्यों ने इस बैठक में दिवंगत माधव सिंह सोलंकी के सम्मान में दो मिनट का मौन रखते हुए दिवंगत आत्मा की परम शांति की प्रार्थना की। राज्य मंत्रिमंडल ने पूर्व मुख्यमंत्री स्व. माधव सिंह सोलंकी की मुख्यमंत्री के तौर पर सेवा तथा सार्वजनिक और सामाजिक जीवन में उनके सेवाकीय योगदान की सराहना करते हुए शोक प्रस्ताव भी पारित किया।

गुजरात के भूतपूर्व मुख्यमंत्री, भारत सरकार के भूतपूर्व विदेश मंत्री और राज्य के अग्रणी राजनेता माधव सिंह सोलंकी के दिनांक 09/01/2021 को 94 वर्ष की उम्र में गांधीनगर में हुए दु:खद निधन पर सरकार गहरा शोक व्यक्त करती है। माधव सिंह सोलंकी का जन्म 30 जुलाई, 1927 को महेसाणा जिले के पिलुन्द्रा में हुआ था। उन्होंने अपने राजनीतिक करियर की शुरूआत 1947 से की थी। वे 1976 में पहली बार गुजरात के मुख्यमंत्री बने थे, उसके बाद सन 1981 से 1985 और 1989 से 1990 के दौरान गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में सेवाएं दी। उन्होंने चार बार गुजरात राज्य के मुख्यमंत्री के तौर पर सेवाएं दी। उन्होंने सन 1991-92 के दौरान भारत सरकार में विदेश मंत्री के रूप में भी अपनी सेवाएं दी थीं। स्व. माधव सिंह सोलंकी ने आर्थिक और सामाजिक रूप से पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण लागू किया था। गुजरात राज्य के स्कूलों में विद्यार्थियों के लिए मध्याह्न भोजन योजना का विचार सर्वप्रथम उन्होंने ही प्रस्तुत किया था। स्व. माधव सिंह सोलंकी साहित्य और पत्रकारिता के क्षेत्र में भी कार्यरत थे। उन्होंने राजनीति और सामाजिक क्षेत्र के हरेक स्तर पर जनसेवा को प्राथमिकता दी थी। उनकी चिरविदाई से गुजरात के राजनीतिक और सामाजिक जीवन को अपूरणीय क्षति पहुंची है। स्व. माधव सिंह सोलंकी के निधन पर राज्य मंत्रिमंडल, गुजरात की जनता और सरकार गहरा दुख और शोक संवेदना प्रकट करते हैं।

मुख्यमंत्री आज सूरत जिले में 570 करोड़ की उद्वहन सिंचाई योजना का लोकार्पण करेंगे

क्रांति समय दैनिक

मुख्यमंत्री विजय रूपाणी रविवार, 10 जनवरी को सुबह 9.30 बजे सूरत जिले के सठवाव गांव से मांडवी और मांगरोल के जनजातीय क्षेत्रों को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने की 570 करोड़ रूपए की काकरापार-गोरधा-वड उद्वहन सिंचाई योजना का लोकार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री ने राज्य के आदिवासी बहुल क्षेत्रों के पहाड़ी इलाकों में स्थित गांवों को सिंचाई की पर्याप्त सुविधा मुहैया कराने के लिए विषम भौगोलिक परिस्थिति वाले इन क्षेत्रों में लिफ्ट इरिगेशन यानी कि उद्वहन सिंचाई योजना के जरिए जल समृद्धि प्रदान करने की निर्णायक प्रतिबद्धता दर्शाई है। जिसके अनुसार काकरापार-गोरधा-वड उद्वहन सिंचाई योजना के अंतर्गत 32 किलोमीटर की लंबाई में माइल्ड स्टील पाइप बिछाकर तकरीबन 37 मंजिला मकान जितनी ऊंचाई तक पानी को लिफ्ट कर मांडवी तहसील के 61 तथा मांगरोल तहसील के 28 समेत कुल 89 गांवों की 49,500 एकड़ जमीन को सिंचाई के लिए पानी पहुंचाया जाएगा। करीब 29 हजार आदिवासी किसान परिवारों को सिंचाई के लिए इस पानी का लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री के कर कमलों से लोकार्पित होने वाली इस उद्वहन सिंचाई योजना के परिणामस्वरूप ३ मध्यम डैम, 2 बड़े तालाब और 30 चेकडैम तथा 6 कंदराओं में जल संग्रहण होने से आदिवासी क्षेत्रों में जल स्तर ऊंचा उठेगा। इस लोकार्पण अवसर में राज्य के वन एवं आदिजाति विकास मंत्री गणपतसिंह वसावा, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ईश्वरभाई परमार तथा भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और नवसारी के सांसद सीआर पाटिल, बारडोली के सांसद प्रभुभाई वसावा तथा सूरत की सांसद दर्शनाबेन जरदोश उपस्थित रहेंगे।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री विजय रूपाणी के आदिजाति कल्याण दृष्टिकोण के स्वरूप में पिछले 4 वर्ष में राज्य के 14 जिलों की 54 आदिवासी तहसीलों में सिंचाई सुविधा के छोटे-बड़े 1641 कार्यों के जरिए 4,24,500 एकड़ जमीन को सिंचाई की सुविधा मिली है।

क्रांति समय फाउंडेशन (NGO)

राहुल गांधी समेत गुजरात कांग्रेस के नेताओं की स्व. माधवसिंह सोलंकी श्रद्धाजंलि

क्रांति समय दैनिक

गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व केन्द्रीय मंत्री माधवसिंह सोलंकी के निधन पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी समेत गुजरात कांग्रेस के नेताओं ने गहरा शोक व्यक्त किया है। राहुल गांधी ने शोक संदेश में कहा कि माधवसिंह सोलंकी के अचानक निधन से वे काफी दु;खी हैं। कांग्रेस की विचारधारा को मजबूत करने और सामाजिक न्याय को आगे बढ़ाने में उनका योगदान हमेशा याद रहेगा। उनके परिजनों समेत शुभचिंतकों को सांत्वना। गुजरात प्रदेश कांग्रेस प्रमुख अमित चावडा ने कहा कि मुंबई विधानसभा के सदस्य के तौर पर सार्वजनिक जीवन की शुरूआत करने के बाद लगातार लोगों की बीच काम करते करते कांग्रेस पार्टी की नींव के एक कार्यकर्ता, राज्य के मंत्री, गुजरात के चार बार मुख्यमंत्री, केन्द्र सरकार में आयोजन मंत्री और विदेश मंत्री बनने का जिन्हें अवसर मिला, ऐसे व्यक्ति माधवसिंह सोलंकी पहला लक्ष्य था आम आदमी की किस प्रकार मदद की जा सके। सरकारी योजना, सरकार की नीति और कानून के जरिए गरीब व्यक्ति का किस प्रकार कल्याण और उत्थान हो सके, राज्य और राष्ट्रीय विकास के लक्ष्य के साथ उन्होंने जीवनभर कार्य किया। मध्याह्न भोजन योजना हो, मुफ्त बालिका शिक्षा हो, ओबीसी समाज के लिए आरक्षण हो या फिर गुजरात में औद्योगिक क्रांति के लिए पिछले इलाकों में जीआईडीसी और अन्य योजनाओं की शुरूआत माधवसिंह सोलंकी के शासन हुई, जिसे लोग आज भी याद करते हैं और आनेवाली पीढियां भी याद करेंगी। उनके शासन में एक सामान्य व्यक्तिको भी सरकार और अपना मुख्यमंत्री लगे ऐसा अहसास माधवसिंह सोलंकी कराया। सामान्य व्यक्तिके दिल में स्थान प्राप्त करने वाले माधवसिंह सोलंकी के निधन से सार्वजनिक जीवन में अपूर्णीय क्षति हुई है। कांग्रेस ने मार्गदर्शन, प्रोत्साहन और प्रेरणा देनेवाला एक नेतृत्व गंवा दिया है। गुजरात विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष परेश धानाणी ने कहा कि गुजरात के समाज जीवन में समानता, समर्पण, सेवा और अनुशासन की नींव डालकर जीवनभर गरीबों के बेली ऐसे पूर्व मुख्यमंत्री माधवसिंह सोलंकी अनंत यात्रा की ओर प्रयाण किया है। ईश्वर उनकी आत्मा को शाश्वत शांति प्रदान करे ऐसी प्रार्थना।

कांग्रेस के गुजरात प्रभारी राजीव सातव ने कहा कि माधवसिंह कुशल नेता थे और हमारी सभी नई पीढी के लिए प्रेरणारूप और मार्गदर्शक थे। उनके निधन से कांग्रेस ने एक राष्ट्रीयस्तर का नेता गंवा दिया है। स्व. माधवसिंह सोलंकी को गुजरात के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अर्जुन मोढवाडिया और सिद्धार्थ पटेल के अलावा राज्यसभा सांसद और कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता शक्तिसिंह गोहिल, पूर्व महासचिव मधुसूदन मिस्त्री, दीपक बाबरिया समेत नेताओं ने श्रद्धाजंलि अर्पण की।

सार-समाचार

अमित शाह की स्व. जीवन दादा और स्व. माधवसिंह सोलंक को श्रद्धाजंलि

अहमदाबाद,गांधीनगर निर्वाचन क्षेत्र के सांसद और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भारतीय किसान संघ के नेता स्व. जीवन दादा और गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. माधवसिंह सोलंकी के निधन पर गहरा शोक व्यक्तकिया है। अमित शाह ने भारतीय किसान संघ के संस्थापक सदस्य जीवन दादा के निधन पर दुग्ख व्यक्त करते हुए कहा कि जीवन दादा का जन्म कलोल के जामला गांव में एक सामान्य किसान परिवार में हुआ था। शिक्षा में सीमित अवसर उपलब्ध होने के बावजूद जीवन दादा ने गुजरात और राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय किसान संघ में 40 से भी अधिक वर्षों तक अमूल्य योगदान दिया। शुरूआती दिनों से राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ जुड़े जीवन दादा राष्ट्र हित की विचारधारा के साथ किसानों की समस्या का समाधान, किसानों के अधिकार और किसानों की राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी के बारे में जन जागृति फैलाने और किसानों के हित एवं उत्थान के लिए एक निष्ठ व अविरत प्रयासों में समर्पित रहे। जीवन दादा वर्तमान में भारतीय किसान संघ की केन्द्रीय कारोबारी में बतौर सलाहकार कार्यरत थे। उनके निधन से गुजरात समेत देश में कृषक कल्याण क्षेत्र को एक बड़ी क्षति हुई है। शाह ने उनके परिजनों और समर्थकों के प्रति संवेदना व्यक्तकरते हुए ईश्वर से उनकी आत्मा को शांति प्रदान करने की प्रार्थना की।

अमित शाह ने गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता माधवसिंह सोलंकी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। अमित शाह ने कहा कि माधवसिंह सोलंकी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के अलावा भारत के विदेश मंत्री के तौर पर भी जिम्मेदारी निभाई। गुजरात और देश के राजनीतिक एवं सार्वजनिक जीवन में उनका योगदान हमेशा यादगार रहेगा। शाह ने दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना करते हुए उनके परिजनों और समर्थकों के प्रति संवेदना व्यक्तकी।

यूपी एटीएस ने पाकिस्तान के लिए जासूसी के आरोप में गोधरा से शख्स को पकड़ा

पंचमहल,पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के लिए जासूसी करने के आरोप में उत्तर प्रदेश एटीएस ने गोधरा पुलिस की मदद से एक शख्स को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद यूपी एटीएस आरोपी को ट्रांजिक्ट रिमांड पर लखनऊले गई है।

दरअसल यूपी एटीएस ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी समेत अन्य देशों को सेना के बारे में जानकारी भेजने के आरोप में उत्तर प्रदेश के बिहुनी गांव के पूर्व सैनिक सौरभ ओमदत्त शर्मा को गिरफ्तार किया था। सौरभ के खाते की जांच में गुजरात के पंचमहल जिले के गोधरा के अनस याकूब गीतेली ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के कहने पर सौरभ शर्मा के खाते में रकम जमा करवाई थी।

इस खुलासे के बाद यूपी एटीएस ने गोधरा एसओजी की मदद से अनस याकूब गीतेली को गिरफ्तार कर लिया।

अनस गीतेली के बड़े भाई इमरान गीतेली को भी भारतीय नौसेना की गुप्त जानकारियां पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी को मुहैया कराने के आरोप में एनआईए ने गत सितंबर महीने में गिरफ्तार किया था।

बेलगाम डम्पर ने साइकिल सवार युवती को कुचला, घटनास्थल पर मौत

वडोदरा,शहर के कारेलीबाग सर्कल के निकट बेलगाम डम्पर ने साइकिल सवार एक युवती को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में युवती की घटनास्थल पर मौत हो गई। घटना के बाद ड्राइवर डम्पर को मौके पर छोड़ फरार हो गया। पुलिस ने डम्पर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरूकी है। जानकारी के मुताबिक वडोदरा के नवा यार्ड में रहनेवाली 22 वर्षीय धर्मिष्ठा परमार नामक युवती साइकिल पर शहर के कारेलीबाग के वुडा सर्कल के निकट से गुजर रही थी। उस वक्ततेज रफ्तार में आ रहे रेत से लदे डम्पर ने साइकिल सवार धर्मिष्ठा को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में धर्मिष्ठा परमार की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। इस दौरान ड्राइवर डम्पर को घटनास्थल पर छोड़कर फरार हो गया। सूचना पाकर घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और डम्पर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरूकी। स्थानीय लोगों में शहर से गुजरते भारी वाहनों के लिए प्रशासन को जिम्मेदार ठहराया है।

किसान संघ के नेता स्व. जीवन दादा को मुख्यमंत्री ने दी श्रद्धांजलि

अहमदाबाद,मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने शनिवार को भारतीय किसान संघ के नेता और राज्य में किसान तथा किसानों के हित की नींव रखने वाले स्व. जीवनभाई पटेल के दु:खद निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत को श्रद्धांजलि दी है। किसानों के बीच जीवन दादा के नाम से जाने जाने वाले स्व. जीवनभाई के पार्थिव शरीर को गांधीनगर स्थित बलराम भवन में रखा गया था, जहां मुख्यमंत्री ने दिवंगत के पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर दिवंगत किसान नेता की आत्मा की परम शांति की प्रार्थना की। स्व. जीवन दादा को श्रद्धांजलि देते हुए मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने कहा कि जीवन दादा के निधन से किसान जगत ने ईमानदार और निष्ठावान कार्यकर्ता खो दिया है। उनका समग्र जीवन किसानों के सर्वांगीण कल्याण के लिए समर्पित था। उनके निधन से राज्य के सार्वजनिक जीवन को बहुत बड़ी क्षति पहुंची है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करे।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

गुजरात के औद्योगिक विवाद अधिनियम में संशोधन को राष्ट्रपति की मिली मंजूरी

अहमदाबाद। गुजरात के औद्योगिक विवाद अधिनियम में संशोधन को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की स्वीकृति मिल गई है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि औद्योगिक विवाद (गुजरात संशोधन) विधेयक, 2020 को राज्य विधानसभा ने पिछले साल 22 सितंबर को पारित किया था। इसे एक जनवरी को राष्ट्रपति की स्वीकृति मिल गई। चूंकि औद्योगिक विवाद अधिनियम एक केंद्रीय कानून है, इसलिए राज्यों को उसमें किसी भी तरह का बदलाव करने के लिए राष्ट्रपति की मंजूरी लेनी जरूरी है। राज्य के श्रम एवं रोजगार विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव विपुल मित्रा ने बताया कि संशोधन का उद्देश्य कारोबार को और अधिक सुगम बनाना है। औद्योगिक विवाद अधिनियम,1947 के मुताबिक 100 या इससे अधिक श्रमिकों वाले प्रतिष्ठानों को छंटनी, प्रतिष्ठान बंद करने से पहले राज्य सरकार की पूर्व अनुमति लेने की आवश्यकता होती थी, जबकि संशोधन के जरिए श्रमिकों की यह संख्या बढ़ा कर 300 कर दी गई है। राज्य सरकार की एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि इसी तरह छंटनी के मामलों में अबतक श्रमिकों को उनके प्रत्येक साल की सेवा के लिए 15 दिनों का वेतन मुआवजे के तौर पर देने की जरूरत होती थी। हालांकि, अब श्रमिक मुआवजे के तौर पर अंतिम तीन महीनों के औसत वेतन के बराबर की राशि भी प्राप्त करेंगे। पहले छंटनी के लिए श्रमिकों को तीन महीने की नोटिस या नोटिस अवधि के लिए पारिश्रमिक देने की जरूरत होती थी , जबकि संशोधन के मुताबिक अब श्रमिकों को तीन महीने का नोटिस भर देकर प्रतिष्ठान से निकाला जा सकता है।

राज्यपाल धनखड़ का बड़ा आरोप, बंगाल में खुल गई बम की फैक्ट्रियां

नयी दिल्ली। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि 2021 पश्चिम बंगाल में लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि चुनाव होने वाले हैं। पंचायत चुनाव, लोकसभा चुनाव रक्तरंजित रहे हैं, नियमों की अवहेलना हुई है। मेरी गृह मंत्री जी से क्या चर्चा हुई उसे सार्वजनिक नहीं किया जा सकता। इसके साथ ही राज्यपाल धनखड़ ने ममता सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि बंगाल में सुरक्षा की क्या हालात है ये सबको पता है। यहां अल कायदा ने पांव पसार लिए हैं। राज्यपाल धनखड़ ने कहा कि बंगाल संभवत- ऐसा राज्य है जहां राज्य सुरक्षा सलाहकार है। लेकिन वे कर क्या रहे हैं? लगातार बंगाल से बम धमाके की खबर आती रहती है। बंगाल में पुलिस का राजनीतिकरण हो गया है।

पीडीपी की युवा इकाई के अध्यक्ष वहीद पारा को मिली जमानत, आतंकवाद से संबंधित मामले में एनआईए ने किया था गिरफ्तार

जम्मू। पीडीपी की युवा इकाई के अध्यक्ष वहीद पारा को शनिवार को यहां राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की एक अदालत ने जमानत दे दी। उन्हें जमानत हिजबुल मुजाहिदीन के आतंकवादियों के साथ उनके कथित संबंधों को लेकर डेढ़ महीने तक हिरासत में रहने के बाद मिली। अधिकारियों ने बताया कि हाल ही में दक्षिण कश्मीर के अपने गृह नगर पुलवामा जिले से जिला विकास परिषद (डीडीसी) चुनाव जीतने वाले पारा को एनआईए अदालत में पेश किया गया, जिसने उन्हें एक लाख रुपये की जमानत राशि पर जमानत दी। उन्हें पिछले साल 25 नवंबर को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) द्वारा गिरफ्तार किया गया था। उनकी गिरफ्तारी गुपकर घोषणा पत्र गठबंधन (पीएजीडी) के उम्मीदवार के तौर पर उनके द्वारा नामांकन पत्र दाखिल करने के कुछ दिनों बाद हुई थी।

कोरोना के नए स्ट्रेन को लेकर सीएम योगी का निर्देश, कहा- ब्रिटेन से आए लोगों को 7 दिन रखा जाए पृथकवास

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोरोना वायरस के नये प्रकार

(स्ट्रेन) को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त सतर्कता बरते जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन आदि ऐसे देश जहां नया स्ट्रेन मिला है, वहां से प्रदेश में आये लोगों को न्यूनतम सात दिन पृथकवास में रखा जाए साथ ही उनकी जांच की जाए। मुख्यमंत्री शनिवार को यहां अपने सरकारी आवास परएक उच्चस्तरीय बैठक में अनलॉक व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने प्रदेश में विषाणु विज्ञान केंद्र की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि इसे पुणे स्थित राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान की तर्ज पर विकसित किया जाए।

योगी आदित्यनाथ ने कोविड-19 के दृष्टिगत पूरी सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि कोविड-19 की संक्रमण दर में काफी कमी आयी है, लेकिन संक्रमण अभी समाप्त नहीं हुआ है; इसलिए कोविड-19 से बचाव व उपचार की प्रभावी व्यवस्था बनाए रखी जाए। उन्होंने कहा कि लखनऊ स्थित किंग जार्ज मेडिकल विश्वविद्यालय (केजीएमयू) देश का एक मात्र संस्थान है जो अबतक आरटी-पीसीआर पद्धति से 10 लाख जांच कर चुका है जो एक बड़ी उपलब्धि है।

सौम्यता के साथ विदेश नीति के जटिल मुद्दों को सुलझाने वाले जयशंकर के जन्मदिन पर जानिए खास बातें

नई दिल्ली। (एजेंसी)

नयी दिल्ली। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार में विदेश मंत्री सुब्रह्मण्यम जयशंकर या फिर कहें एस जयशंकर का आज 66वां जन्मदिन है। वे हमेशा से प्रधानमंत्री मोदी के पसंदीदा लोगों की सूची में शामिल रहे हैं। केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनने के साथ ही एस जयशंकर का कद बढ़ने लगा था और साल 2015 में उन्हें विदेश सचिव बनाया गया था। तो चलिए आज हम आपको एस जयशंकर से जुड़ी महत्वपूर्ण बाते बताते हैं।

जेएनयू से की थी पीएचडी

भारत के प्रमुख रणनीतिक विश्लेषकों में से एक स्वर्गीय के. सुब्रमण्यम के बेटे एस जयशंकर का जन्म 9 जनवरी, 1955 को दिल्ली में हुआ था। उनकी प्रारंभिक शिक्षा श्रीनिवासपुरी स्थित कैंब्रिज स्कूल से हुई। इसके बाद उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के सेंट स्टीफेंस कॉलेज में दाखिला लिया। इसके बाद राजनीतिशास्त्र में एमए करने के लिए वह जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) चले गए। जहां पर उन्होंने एमफिल और पीएचडी भी किया।

एस जयशंकर 24 साल में आईएफएस अधिकारी बन गए थे और उनको रूस के भारतीय दूतावास में पहली पोस्टिंग मिली थी। जहां पर वह 1979 से लेकर 1981 तक रहे। फिर वो 1985 तक विदेश मंत्रालय में अंडर सेक्रेटरी रहे। इसके बाद 1985 से लेकर 1988 तक अमेरिका में भारत के सचिव के तौर पर उन्होंने काम किया।

एस जयशंकर ने 1996 से 2000 तक टोक्यो और फिर 2004 तक चेक रिपब्लिक में भारत के राजदूत का पद संभाला था। विदेश मंत्रालय की वेबसाइट से मिली जानकारी के मुताबिक, एस जयशंकर 2007 से 2009 तक सिंगापुर में उच्चायुक्त, 2009 से 2013 तक चीन में राजदूत और फिर 2013 से 15 तक संयुक्त राज्य अमेरिका में राजदूत रहे।

वहीं, रिटायरमेंट से पहले एस जयशंकर को जनवरी 2015 में विदेश सचिव बनाया गया था। जिसके बाद मोदी सरकार की आलोचना भी हुई थी कि पद से सुजाता सिंह की छुट्टी कर एस जयशंकर को विदेश सचिव बना दिया गया। बताया जाता है कि अपनी पहली अमेरिकी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री ने एस जयशंकर से मुलाकात की थी और फिर न्यूयार्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन पर भारतीय मूल के नागरिकों को संबोधित किया था।

जयशंकर कैसे बने विदेश मंत्री ?

मोदी सरकार ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान विदेश नीति के मोर्चे पर कई अहम निर्णय लिए और तत्कालीन विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने देश की प्रतिष्ठा बढ़ाई थी। इसके बाद दूसरे कार्यकाल से पहले प्रधानमंत्री मोदी को स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं का हवाला देते हुए सुषमा स्वराज ने लोकसभा चुनाव लड़ने और केंद्रीय मंत्री बने रहने से इनकार कर दिया था। रिपोर्टों के अनुसार, सुषमा स्वराज ने एक नाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सुझाया था जिसका पता 30 मई की शाम को सभी को लगा।

25 मई को लोकसभा चुनाव के परिणाम घोषित हो जाते हैं और एक बार फिर से नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार का गठन होता है। 30 मई की शाम को शपथ ग्रहण समारोह होने वाला था लेकिन विदेश मंत्रालय किसे दिया जाए अभी इस पर मुहर नहीं लगी थी। फिर अचानक से लोक कल्याण मार्ग स्थित प्रधानमंत्री आवास से एस जयशंकर के पास

फोन जाता है और उन्हें विदेश मंत्रालय का जिम्मेदारी देने के बारे में पूछा जाता है और थोड़ी ही देर में राष्ट्रीय मीडिया के सामने एस जयशंकर का चेहरा छाया रहता है। शाम को एस जयशंकर ने केंद्रीय विदेश मंत्री के तौर पर शपथ ग्रहण की और फिर उन्हें बाद में गुजरात से राज्यसभा भेज दिया गया। बता दें कि एस जयशंकर चीन के साथ करीब दो महीने से भी अधिक समय तक चले डोकलाम विवाद को सुलझाने में मदद की थी। वहीं, वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) गतिरोध पर भी चीन के साथ लगातार बात कर रहे हैं। फिलहाल, दोनों देशों के सैनिक सीमा के दोनों तरफ तैनात हैं।

पीएम मोदी ने 'मेड इन इंडिया' कोरोना वायरस टीकों को लेकर दिया ये बयान

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भारत एक नहीं, बल्कि दो 'मेड इन इंडिया' कोरोना वायरस टीकों के साथ मानवता की सुरक्षा के लिए तैयार है और दुनिया न केवल कोविड-19 से बचाव के लिए भारत के टीकों का इंतजार कर रही है बल्कि इस पर भी निगाह लगाए है कि कैसे वह विश्व का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान चलाता है। मोदी ने कहा कि भारत के लोकतंत्र पर एक वक्त संदेह प्रकट किया गया था, लेकिन आज भारत ही वह स्थान है जहां लोकतंत्र सबसे अधिक मजबूत है और सबसे जीवंत है। प्रधानमंत्री ने 16वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन को डिजिटल माध्यम से संबोधित करते हुए कहा, ''जब भारत को आजादी मिली, तब कहा जाता था कि यह गरीब देश है, कम पढ़ा लिखा देश है और यह बिखर जायेगा, टूट जायेगा। यह भी कहा जाता था कि लोकतंत्र तो यहां संभव ही नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन आज सच्चाई यह है कि भारत एकजुट है और भारत ही वह स्थान है जहां लोकतंत्र सबसे अधिक मजबूत है और सबसे जीवंत है।'' मोदी ने कहा कि हमने कभी दुनिया पर कोई चीज नहीं थोपी और न ही थोपने के बारे सोचा बल्कि भारत के बारे में जिज्ञासा पैदा की है।

इसे भी पढ़ें- लखवी की सजा पर रूस ने कहा, महत्वपूर्ण बैठकों से पहले हास्यास्पद कदम उठाना पाक के लिए आम बात है

कोविड-19 के खिलाफ भारत की लड़ाई का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि महामारी के इस दौर में भारत ने फिर दिखा दिया कि हमारा सामर्थ्य क्या है और हमारी क्षमता क्या है। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में आज भारत दुनिया के सबसे कम मृत्यु दर और सबसे अधिक सुधार दर्ज करने वाले देशों में शामिल है। मोदी ने कहा, ''आज भारत एक नहीं, बल्कि दो 'मेड इन इंडिया' कोरोना वायरस टीकों के साथ मानवता की सुरक्षा के लिए तैयार है।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत जैसा इतना बड़ा लोकतांत्रिक देश जिस एकजुटता के साथ खड़ा हुआ है, उसकी मिसाल दुनिया में नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत ने जो नई व्यवस्थाएं विकसित की हैं उनकी कोरोना वायरस के इस संकट में वैश्विक संस्थाओं ने प्रशंसा की है।

मोदी ने कहा कि आधुनिक प्रौद्योगिकी के माध्यम से गरीब से गरीब को मजबूत करने का जो अभियान आज भारत में चल रहा है, उसकी विश्व के हर कोने में और हर स्तर पर चर्चा हो रही है। उन्होंने कहा कि भारत आज भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए तकनीक का ज्यादा से ज्यादा उपयोग कर रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि करोड़ों रुपये जो पहले तमाम कमियों की वजह से गलत हाथों में जाते थे, वो आज सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में पहुंच रहे हैं। प्रवासी भारतीय समुदाय के योगदान की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ''आप सभी ने, जहां आप रह रहे हैं वहां और भारत में, कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में बड़ा योगदान दिया है।'' उन्होंने कहा, ''पीएम केयर्स में दिया गया आपका योगदान भारत में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत कर रहा है।''

मोदी ने कहा कि बीता साल हम सभी के लिए बहुत चुनौतियों का साल रहा है, लेकिन इन चुनौतियों के बीच विश्वभर में फैले भारतीय मूल के साथियों ने जिस तरह काम किया है, अपना फर्ज निभाया है, वह हम सभी के लिए गर्व की बात है। प्रधानमंत्री ने कहा कि महामारी के कारण विदेशों में भारतीयों के रोजगार सुरक्षित रहें, इसके लिए राजनयिक स्तर पर हर संभव कोशिश की गई। उन्होंने प्रवासी भारतीय समुदाय से कहा कि भारत सरकार हर समय, हर पल आपके साथ, आपके लिए खड़ी है।

'आत्मनिर्भर भारत अभियान' विश्व व्यवस्था को और अधिक न्यायपूर्ण बनाएगा: राष्ट्रपति कोविंद

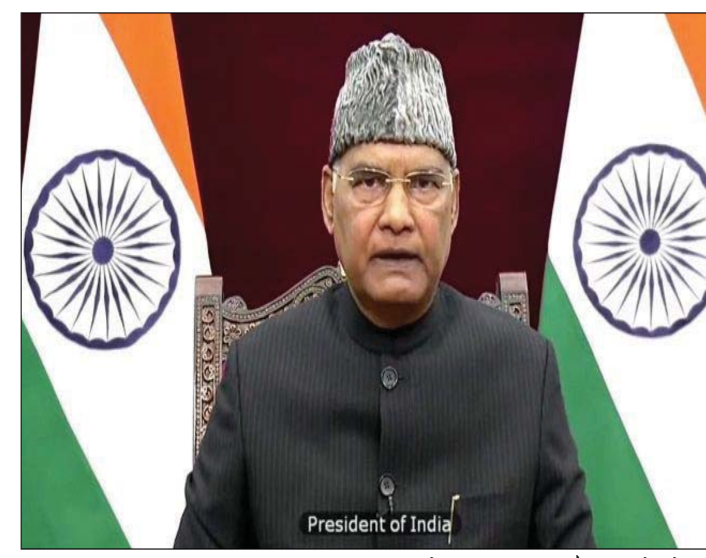

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने शनिवार को कहा कि 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' विश्व व्यवस्था को और अधिक न्यायपूर्ण एवं निष्पक्ष बनाएगा तथा यह व्यापक सहयोग और शांति को बढ़ावा देगा। उन्होंने 16वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन 2021 को संबोधित करते हुए कहा कि 'आत्मनिर्भर भारत' के विचार का मतलब स्वकेंद्रित प्रबंध करने तथा देश को अपने में सीमित करने से नहीं है। राष्ट्रपति ने कहा, ''यह स्व-विश्वास, स्व-प्राचुर्य का नेतृत्व करने के बारे में है। हम वस्तुओं की उपलब्धता और सेवाओं को मजबूत कर वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधानों को कम करने की दिशा में योगदान करना चाहते हैं।''

कोविंद ने कहा, ''भारत का 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' विश्व व्यवस्था को और अधिक न्यायपूर्ण एवं निष्पक्ष बनाएगा तथा यह व्यापक सहयोग और शांति को बढ़ावा देगा।'' उन्होंने कहा कि भारत की वैश्विक आकांक्षाओं को समझने में हमारे समुदाय की महत्वपूर्ण भूमिका है। हमारा समुदाय विश्व में हमारी झलक है तथा वैश्विक मंच पर वह भारत के हितों का प्रणेता है।

शादी समारोहों में शराब बैन होने का पारित हुआ प्रस्ताव, बढ़ रही थी घरेलू हिंसा की शिकायतें

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

उत्तराखंड के बागेश्वर जिले के रतीर केठी गाँव के प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक महेश सिंह ने स्थानीय लोगों को धन्यवाद के रूप में पैसे की जगह शराब देने का वादा किया। महेश ने ऐसा इसलिए किया क्योंकि स्थानीय निवासियों ने महेश की चचेरी बहन और दो बेटियों की शादी के कार्यों में मदद की थी। इसी को देखते हुए स्थानीय परंपरा के अनुसार महेश ने मेहमानों के हर एक समारोह में शराब पर 15,000 रुपये खर्च किए। बता दें कि रतीर केठी जैसे दूरदराज के इलाकों में मजदूर मिलना काफी कठिन साबित हो जाता है, इसलिए स्थानीय गांव के लोग ही मदद को आगे आते है।

परंपरा ने बढ़ाई घरेलू हिंसा

पैसे के बदले शराब देने के इस वादे ने अब काफी मुशिकलें पैदा कर दी है। बता दें कि इससे लोग काफी शराब के नशे में चूर हो रहे है और घरेलू हिंसा की शिकायतें भी हर रोज बढ़ रही है। बढ़ते घरेलू हिंसा की शिकायतों के मद्देनजर रतिर केठी गांव ने शादी समारोहों, धार्मिक और साथ ही सामाजिक समारोहों जैसे मेलों में शराब की बिक्री, वितरण और सेवा पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव पारित किया है। प्रधान सुरेंद्र सिंह मेहता ने कहा, रति केरी की महिलाओं के कारण यह बदलाव आ पाया है। उन्होनें बताया कि 80 घरों के हर एक सदस्य की मदद से यह प्रस्ताव पारित हुआ है। बता दें कि इस प्रस्ताव को पारित करने पर न ही किसी ने विरोध किया। इस प्रस्ताव की एक कॉपी पुलिस स्टेशन और अधिकारियों को सौंप दी गई है।

क्या है प्रस्ताव में?

इस प्रस्ताव के मुताबिक, समारोहों या समारोहों में शराब पर प्रतिबंध लगाने के अलावा, प्रस्ताव में कहा गया है कि अगर नशे की हालत में कोई व्यक्ति परिवार के सदस्यों के साथ दुर्व्यवहार करता है या घरेलू हिंसा करता है, तो पंचायत इस मामले को पुलिस तक ले जाएगी। यदि कोई भी व्यक्ति किसी सार्वजनिक स्थान पर या किसी शराबी के नशे में हंगामा मचाता है या झड़प करता है, तो ग्रामीण पुलिस के पास जा सकते हैं। बागेश्वर के एसपी मणिकांत मिश्रा ने कहा कि 'ग्रामीणों ने यह अनुरोध किया है कि शादी और अन्य कार्यक्रमों के दौरान शराब की बिक्री और खपत न हो। मिश्रा ने कहा कि शराब पहाड़ियों में सबसे ज्यादा बहस, हाथापाई और अपराधों का कारण है। उन्होंने कहा कि जिले में हाल के सीज़न में शादी समारोहों में मेहमानों के बीच झड़प के कम से कम चार मामले सामने आए है। एसपी ने आगे कहा, पुलिस यह सुनिश्चित कर सकती है कि गांव के आसपास थोक और किराने की दुकानों से शराब की अवैध बिक्री न हो।

राजपथ पर दिखेगी राम मंदिर की झांकी, राफेल का भी दिखेगा दम

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

हर साल 26 जनवरी के मौके पर भव्य परेड की तस्वीरों से देश तो अक्सर दो-चार होता है। परेड में अलग-अलग प्रदेशों की कला-संस्कृति की झांकियां दिखती हैं। परेड में भारतीय सेना के सभी कैटगरी की मार्च फास्ट भी देखने को मिलती है। लेकिन इस बार की 26 जनवरी की परेड और भी खास होने वाली है। इस बार गणतंत्र दिवस की परेड में अयोध्या पर बन रहे राम मंदिर की झांकी भी दिखाई जाएगी।

राम मंदिर की झांकी

यूपी सरकार ने केंद्र सरकार को इसके लिए प्रस्ताव भेजा था। केंद्र सरकार ने योगी सरकार के प्रस्ताव पर मुहर लगा दी। जिसके बाद गणतंत्र दिवस के इतिहास में ऐसा पहली बार होगा कि उत्तर प्रदेश से राम मंदिर से जुड़ी झांकी पेश की जाएगी। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट के रामलला के नाम जमीन के हक पर हस्ताक्षर के साथ ही अयोध्या में

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भूमि पूजन किया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी दीपावली के अवसर पर अयोध्या आते हैं तो अलग-अलग झांकियां निकलती है।

राफेल का भी दिखेगा दम

इस बार राजपथ पर वायुसेना के शौर्य की तस्वीर भी दिखाई देगी। परेड में इस बार राफेल विमान के साथ ही स्वदेशी लड़ाकू एयरक्राफ्ट और हेलिकाप्टर भी नजर आएंगे।

तमिलनाडु चुनाव में अन्नाद्रमुक के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार होंगे के पलानीस्वामी

चेन्नई। (एजेंसी)।

तमिलनाडु में सत्तारूढ़ अन्नाद्रमुक ने इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव में अपने मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के तौर पर मौजूदा मुख्यमंत्री के पलानीस्वामी के नाम पर मुहर लगा दी है। तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव के लिए चुनावी मैदान में अन्नाद्रमुक और उसकी धुर प्रतिद्वंद्वी द्रमुक के बीच कड़ा मुकाबला होने की संभावना है। अन्नाद्रमुक की निर्णय लेने वाली शीर्ष संस्था पार्टी महापरिषद ने ओ पनीरसेल्वम और पलानीस्वामी को चुनाव संबंधी पार्टी की रणनीतियां तैयार करने के लिए भी अधिकृत किया और एक संचालन समिति की नियुक्ति को भी मंजूरी दी, जो महत्वपूर्ण मामलों में अहम भूमिका निभा सकती है। तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव अप्रैल-मई में होने की संभावना है।

पलानीस्वामी तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और पनीरसेल्वम उपमुख्यमंत्री हैं। पार्टी सदस्यों ने बैठक में 16 प्रस्ताव स्वीकार किए। इनमें से एक प्रस्ताव के तहत दोनों नेताओं को अन्नाद्रमुक की चुनावी रणनीतियां बनाने के लिए अधिकृत किया गया। इससे पहले अन्नाद्रमुक ने 2011 और 2016 के चुनाव में जीत हासिल की थी। बैठक में कहा गया, ''यह महापरिषद ओ पनीरसेल्वम और के पलानीस्वामी को 2021 चुनाव में बड़ी जीत सुनिश्चित करने के लिए विजय दिलाने वाली रणनीतियां बनाने, अन्नाद्रमुक के नेतृत्व में जीत हासिल करने वाला गठबंधन बनाने और गठबंधन साझेदारों के साथ सीटों के बंटवारे पर फैसला करने के लिए अधिकृत करती है।''

अन्नाद्रमुक ने 2019 के लोकसभा चुनाव के लिए राज्य में राजग गठबंधन का नेतृत्व किया था, जिसमें भाजपा, डीएमडीके और पीएमके शामिल थे। पार्टी के दोनों शीर्ष नेताओं ने भाजपा के साथ पार्टी के गठबंधन की पहले ही पुष्टि कर दी है। महापरिषद ने पनीरसेल्वम की अक्टूबर 2020 की उस घोषणा को भी समर्थन दिया, जिसमें कहा गया था कि चुनाव में पलानीस्वामी अन्नाद्रमुक के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार होंगे। इसके अलावा महापरिषद ने एक संचालन समिति की नियुक्ति को मंजूरी दी। इसके सदस्यों में छह मंत्री और पांच अन्य पदाधिकारी शामिल हैं, जिन्हें पलानीस्वामी और पनीरसेल्वम का वफादार समझा जाता है।

पार्टी ने द्रमुक अध्यक्ष एम के स्टालिन पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह अन्नाद्रमुक सरकार को मिल रहे लोगों के समर्थन और पलानीस्वामी के प्रशासनिक कौशल को बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं और इसलिए मुख्यमंत्री की ''असभ्य'' आलोचना कर रहे है। उसने स्टालिन और उसके द्रमुक समर्थकों की ''व्यक्तिगत हमले'' करने के कारण निंदा की। पार्टी ने विभिन्न मामलों पर सरकार की प्रशंसा की। उसने श्रीलंका सरकार के प्रांतीय परिषदों को समाप्त करने के कदम की आलोचना की और कहा कि इससे वहां के तमिल समुदाय के लोग प्रभावित होंगे। उसने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से इस मामले में हस्तक्षेप करने की अपील की।

पनीरसेल्वम ने अपने संबोधन में कहा कि पार्टी हर व्यक्ति से ऊपर है और उन्होंने आगामी चुनाव में ''बड़ी और अभूतपूर्व जीत'' के लिए मिलकर लड़ने की अपील की। पलानीस्वामी ने ''वंशवाद की राजनीति'' के लिए द्रमुक पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले दिवंगत एम करुणानिधि पार्टी की कमान संभालते थे, ''इसके बाद (एम के) स्टालिन आए और अब उदयनिधि (स्टालिन के बेटे) हैं''।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)